माघ शुक्ल पक्ष-14, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 249 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

23 फरवरी 2024 शुक्रवार

आज का मौसम

29 अधिकतम

17 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

दांव पर पांच पारिवारिक सियासी दलों की विरासतों का भविष्य

देश के सबसे बड़े सियासी परिवार के युवराज यानि राहुल गांधी के इंडी गठजोड़ में पड़ रही दरारों को चार दूसरे सियासी परिवारों के युवराजों ने भरकर टूटती उम्मीदों को एक बार फिर जगाया है। इनमें तमिलनाडु के करूणानिधि की पार्टी द्रमुक के मुखिया एमके स्टालिन और महाराष्ट्र के बाला साहब ठाकरे की विरासतों यानि उद्धव और आदित्य ठाकरे ने तो पहले ही कांग्रेस के साथ चुनावी समर में जाने का ऐलान कर दिया था। बिहार के लालू परिवार के वारिस तेजस्वी यादव ने भी कोई ना-नुकुर नहीं की थी। लेकिन देश के सबसे बड़े सूबे उत्तरप्रदेश से सपा के युवराज अखिलेश यादव ने काफी झुलाने के बाद कांग्रेस को झप्पी दीहै। लेकिन समस्या यह है कि इन चार राज्यों की 207 सीटों में से देश की सबसे बड़ी पारिवारिक पार्टी कांग्रेस को बमुश्किल 45 से 50 के बीच सीटें ही मिल सकेंगी। यूपी में अखिलेश ने 80 में से 17 सीटें उसे दी हैं। बिहार में नीतीश कुमार के जनता दल यूनाइटेड के इंडिया गठजोड़ से अलग होने के बाद 6-7 सीटों के बजाए 10 से 12 सीटें मिल सकती हैं। तमिलनाडु में तो 39 सीटों में से कांग्रेस को 5-7 सीटें मिल जाए तो वही बहुत होगी। महाराष्ट्र की बात करें तो वहां से भी 48 में से उद्धव की शिवसेना, शरद पवार की एनसीपी के बाद कांग्रेस को करीब 15 सीटें ही मिल पाएंगी।

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

तृणमूल कांग्रेस के पल्ला झाड़ने से कांग्रेस को हो रहे नुकसान की थोड़ी बहुत भरपाई बिहार से हो जाएगी। लेकिन दिल्ली में उसे तीन सीटों से ही संतोष करना होगा। पंजाब में अपनी जीतने वाली सीटों में हिस्सेदारी देने से इनकार कर आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में कांग्रेस को 7 में से 3 सीटें दी हैं। ये वे सीटें है, जिन्हें लोकसभा में न तो कांग्रेस जीत पाती है और न ही आम आदमी पार्टी। जिस पंजाब में आप को जीत की उम्मीद है, वहां वह कांग्रेस के साथ 13 सीटों में हिस्सेदारी को तैयार नहीं है। केरल के हालातों में कांग्रेस को कुछ उम्मीद नहीं करना चाहिए। वहीं इस दावे में भी शक है भाजपा का 370 पार या एनडीए का 400 पार का नारा सच हो पाएगा, लेकिन कांग्रेस के भी विपक्ष के साथ मिलकर ताकतवर विपक्षी दल बनने के आसार भी धूमिल हैं।

कांग्रेस 100 पार भी कैसे होगी? जिन क्षेत्रीय दलों के चक्कर में दो अंकों में कांग्रेस ठिठक (पहले 44 फिर52) रह गई है, उसे उन्हीं क्षेत्रीय दलों के सामने सीटों के लिए घिघियाना पड़ रहा है। उसे अपने राष्ट्रीय दल के खोए वजूद को पाने के लिए उन्हीं क्षेत्रीय दलों का सहारा लेना पड़ रहा है, जिन्होंने कांग्रेस को मौजूदा हालात पर लाकर खड़ा किया। पहली बार वह 543 में से 300 से कम सीटों पर मैदान में होगी। नरेंद्र मोदी यदि पारिवारिक क्षेत्रीय दलों में सिमटी पार्टियों को ठिकाने लगाकर प्रकारांतर से कांग्रेस को फिर से राष्ट्रीय दल के रूप में उबरने का चाहे अन चाहे मौका दे रहे हैं, लेकिन कांग्रेस बकौल कवि दुष्यंत की कविता 'आंधियों में कुछ इस कदर बदहवास लोग,जो पेड़ खोखले थे, उन्हीं से लिपट गए' वाली पंक्तियों का अनुसरण करने में लगी है। बैसाखी कांग्रेस की विवशता बन गई, वह अपने पैरों पर खड़ा होने को तैयार नहीं।

वोट शिफ्टिंग भी बड़ी चुनौती

पुराने अनुभव सबके सामने हैं कि तमिलनाडु को छोड़कर किसी भी प्रदेश में न तो कांग्रेसअपने वोट गठजोड़ के साझेदार को शिफ्ट करा सकी है और न क्षेत्रीय दल कांग्रेस को। यूपी से लेकर बिहार तक यह मिसाल है। इससे उलट 2015 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने भाजपा की राह रोकने के लिए अपना वोट आम आदमी पार्टी को शिफ्ट कराकर आत्मघाती कदम उठाया। यह वोट अब कांग्रेस में लौटने को तैयार नहीं। आप ने उल्टा पंजाब विधानसभा में कांग्रेसी वोट बैंक पर डाका डालकर घर बिठा दिया। इससे उलट देखें तो विधानसभा से उलट दिल्ली में दोनों लोकसभा चुनावों में लोगों ने भाजपा को तरजीह दी। ले-देकर कांग्रेस की उम्मीदें तेलंगाना और आंध्र पर टिकी हैं तो उसे संशय है कि कर्नाटक और महाराष्ट्र शायद ही उसका कल्याण कर पाएं। बिहार से लेकर यूपी और आंध्र से लेकर कर्नाटक और महाराष्ट्र में कांग्रेस के सहयोगी दल कांग्रेसी वोट बैंक का इस्तेमाल तो कर लेंगे लेकिन वे अपने राज्यों में कांग्रेस को दोबारा पनपने का मौका कतई नहीं देंगे। कांग्रेस में भी मुस्लिमों के सिलाए गठजोड़ के दूसरे वोट मिलना मुश्किल हैं। आशंका यही है कि कहीं इंडिया गठजोड़ के भरोसे सत्ता में वापसी का सपना संजोए कांग्रेस के हालात न खुदा मिला न विसाले सनम, न इधर के रहे न उधर के... वाले न रह जाएं। इसी भंवरजाल में फंसी कांग्रेस को उबरना है,क्योंकि सशक्त लोकशाही में मजबूत विपक्ष जरूरी है। यह बात समझने की है, लेकिन कौन ताकतवर विपक्षी विकल्प के बारे में सोच रहा है? पारिवारिक पार्टियों की विरासतों पर भी खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। देश में तेजी से बढ़ता सनातनी भाव मुस्लिम परस्त पार्टियों के लिए लगातार खतरे बढ़ा रहा है।

फिर नए प्रयोगों के साथ लोकसभा चुनाव की तैयारी

अधिवेशन के बाद मोटिवेशन, भाजपा का प्लान डबल-बी शुरू

आशीष दुबे, भोपाल

मप्र में भाजपा और कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए 'बाड़ा' तैयार करने की जद्दोजहद तेज कर दी है। हाल में झाबुआ में पीएम मोदी का दौरा और मोटिवेशन से भाजपा व अगले सप्ताह राहुल गांधी की पांच दिन मप्र यात्रा से कांग्रेस के भीतर 'होमवर्क' ने गति पकड़ रखी है। भाजपा ने 'सौ दिन सौ फीसद' के सिध्दांत पर ताकत झोंकी है और प्रयोगों की काफी गुंजाइश के साथ आगे बढ़ रही है। इस बार मिशन 29 के तहत भाजपा का मुख्य फार्मूला डबल-बी वाला है, यानि बेनिफिशियरी और बूथ। इसके जरिए वह कार्यकर्ताओं को भी प्रेरित करेगी और मतदाताओं को भी।

जानकार सूत्रों का कहना है कि भाजपा ने इस बार क्लस्टर व बूथ वार बैठकों में अन्य राज्यों के अपने मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों को शामिल होने के लिये कहा है। मप्र में रीवा क्लस्टर की बैठकों में उप्र के केशव प्रसाद मौर्य आएंगे तो ग्वालियर चंबल की बैठकों में केंद्रीय मंत्री अमित शाह के साथ राजस्थान के डिप्टी सीएम भजनलाल शर्मा मौजूद रहेंगे। अन्य क्लस्टर के लिये भी नेताओं के नाम तय किया जा रहा है। ज्ञात हो कि शाह 25 को मप्र के दौरे पर आ रहे हैं। भाजपा आगामी दो व तीन मार्च को केंद्र व राज्य सरकार की सभी योजनाओं के लाभार्थियों तक पहुंचेगी। इसके अलावा क्लस्टर बैठकों में अपने 'क्रीम कार्यकर्ताओं' को मास्टर ट्रेनर्स की तरह तैयार करेगी।

7 टिकट पहले, रायशुमारी की रिपोर्ट हाईकमान के पास पहुंची

विश्वस्त सूत्रों का कहना है कि मप्र में भाजपा की टिकट सूची में वह 7 टिकट पहले घोषित हो सकते हैं,जहां के सांसदों को हाल में यहां विधानसभा चुनाव लड़ाया गया है। इन क्षेत्रों में भाजपा ने अपने कार्यकर्ताओं व कुछ आम लोगों के बीच नये चेहरे को लेकर व्यापक रायशुमारी कराई है और इसकी पूरी रिपोर्ट हाईकमान को भेज दी गई है। मगर एक सूत्र का कहना है कि अब जो सांसद अब विधायक बन चुके हैं, वे जरूरत पड़ने पर फिर लोकसभा में भी आजमाए जा सकते हैं।

दोनों तरफ के कई चेहरे बदलेंगे

लोकसभा चुनाव में भाजपा व कांग्रेस ने नए चेहरों पर दांव लगाने का गणित काफी हद तक तैयार किया है। भाजपा विधानसभा चुनाव की तर्ज प्रयोग के तहत एक दर्जन टिकट बदल सकती है, जबकि कांग्रेस के पास नये प्रयोग करने के सिवा अब कोई विकल्प नहीं है, क्योंकि वह पिछले लोकसभा चुनाव में 29 में से 28 सीटें गंवा चुकी है। भाजपा का बदलाव विंध्य इलाके से महाकोशल व मालवा तक नजर आएगा। भोपाल जैसी सुरक्षित मानी जाने वाली सीट पर भी पार्टी नया प्रयोग करने की गुंजाइश लेकर आगे बढ़ रही है। दूसरी तरफ कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी ने 29 सीटों के लिये करीब पैंसठ नाम को अंतिम तौर पर विचार में लिया है और जल्द होने वाली बैठक में इसमें कुछ और छंटनी के नाम पैनल बनाकर हाईकमान के पास भेजा जा रहा है। हालांकि अब इनमें से खजुराहो सीट के नाम हट जाएंगे क्योंकि यह सीट सपा को दे दी गई है। राहुल गांधी मुरैना, ग्वालियर, गुना, राजगढ़, देवास, उज्जैन, धार और रतलाम लोकसभा सीट से गुजरेंगे। पार्टी इसके बाद इन सीटों पर फैसला करेगी।

अमृतकाल में युवा ही देश को आगे ले जाएंगे: मोदी

वाराणसी में पीएम ने की शिरकत

वाराणसी, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दौरे पर हैं। आज पीएम मोदी बनारस हिंदू विश्वविद्यालय पहुंचे। उन्होंने कहा, जिस काशी को समय से भी प्राचीन कहा जाता है, जिसकी पहचान को युवा पीढ़ी जिम्मेदारी से सशक्त कर रही है। यह दृश्य संतोष देता है और गौरव की अनुभूति भी कराता है। यह विश्वास दिलाता है कि अमृतकाल में सभी युवा देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। पीएम मोदी ने बीएचयू में अपने संबोधन की शुरुआत नमः पार्वती पतये हर-हर महादेव मंत्र से की। वे बोले-काशी सर्व विद्या की राजधानी है। आज काशी में चारों ओर विकास का डमरू बज रहा है। उन्होंने अपने 10 साल के कार्यकाल का हिसाब-किताब भी किया। इससे पहले मोदी ने स्वतंत्रता भवन में सांसद संस्कृत प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार दिए।

रविदास के संकल्पों को आगे बढ़ा रहा हूं

उन्होंने मेधावियों व शिक्षकों के साथ संत रविदास मंदिर में पंजाब व अन्य प्रदेशों से आए दर्शनार्थियों व करखियांव एग्रो पार्क में पूर्वांचल की जनता को भी संबोधित किया। गुरु संत रविदास जयंती पर मोदी ने वाराणसी को मिनी पंजाब कहा। बोले-मैं रविदास के संकल्पों को आगे बढ़ा रहा हूं।

नीमच में सीएम ने 752 करोड़ की दी सौगात: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज नीमच से प्रदेश को 752 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने कपड़ा, परिधान इकाइयों की नीव रखी। कई विकास कार्यों के लोकार्पण भी किया।

किसानों का काला दिवस, मृत किसान के परिवार को सरकार देगी 1 करोड़

चंडीगढ़, एजेंसी।

आठ दिन से जारी किसान आंदोलन के बीच पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार ने आंदोलन के दौरान मरने वाले 21 साल के किसान शुभकरण के परिवार को एक करोड़ रुपए का मुआवजा देने का ऐलान किया है। सीएम भगवंत मान ने कहा कि उसकी छोटी बहन को सरकारी नौकरी भी दी जाएगी। इस बीच किसान की मौत के बाद आज संयुक्त किसान मोर्चा काला दिवस मना रहा है। वहीं हरियाणा की अंबाला पुलिस ने पत्र जारी कर आंदोलनकारी किसानों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लगाने की बात कही है। पुलिस ने बताया, अब तक इस आंदोलन में अलग-अलग कारणों से दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई है। 30 घायल हैं। एक पुलिसकर्मी की ब्रेन हैमरेज से तो दूसरे की जिम में मौत हुई है।

हरियाणा पुलिस लगाएगी रासुका

हरियाणा पुलिस ने पत्र में कहा है, किसान लगातार दिल्ली कूच को लेकर शंभू बॉर्डर पर लगे बैरिकेड्स को तोड़ने के प्रयास कर रहे हैं। पुलिस -प्रशासन पर पथराव और हुड़दंग बाजी कर कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है।

मुख्य सचिव वीरा राणा को मिलेगा एक्सटेंशन

भोपाल दोपहर मेट्रो। प्रदेश की मुख्य सचिव वीरा राणा को सेवावृद्धि देने के आसार बन गए हैं। जानकारों की मानें तो मोहन सरकार इसके लिए केंद्र सरकार को पत्र भेजने की तैयारी में है। माना जा रहा है कि मुख्य सचिव के एक्सटेंशन को लेकर सीएम डॉ. मोहन यादव ने पीएमओ से भी चर्चा कर ली है। राणा को 6 माह का एक्सटेंशन मिला तो वे 30 सितंबर 2024 तक मुख्य सचिव के पद पर रहेंगी। इस बीच यह भी संभावना है कि उन्हें दो माह की सेवावृद्धि की जाए। वीरा 31 मार्च को रिटायर होने वाली हैं। सूत्र बताते हैं, अप्रैल और मई में लोकसभा चुनाव है। इसके मद्देनजर लगने वाली आचार संहिता को देखते हुए सरकार मुख्य सचिव पर फैसला करना चाहती है। प्रस्ताव को मंजूरी मिली तो वीरा प्रदेश की 6 मुख्य सचिव होंगी, जिन्हें एक्सटेंशन मिला है। इससे पहले इकबाल सिंह बैंस को भी एक्सटेंशन मिला था।

मेट्रो एंकर

ओडिसियस मिशन से पहले 8 जनवरी को लॉन्च पहला मिशन पैरेग्रीन-1 फेल हो गया था

अपने पीछे सब...चांद के दक्षिणी पोल पर पहुंचा अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी।

चांद का हुस्न भी जमीन से है, चांद पर चांदनी नहीं होती...शायर इब्न-ए-सफी के ये अल्फाज छह माह बाद फिर साकार हुए। 23 अगस्त 2023 को भारत के चंद्रयान-3 के चंद्रमा के दक्षिणी पोल पर लैंडिंग के 6 माह बाद अमेरिका भी चंद्रमा के इस पोल पर पहुंचा। इस पोल पर सूरज की किरणें नहीं पहुंचती। अमेरिका ने इसे 15 फरवरी 2024 को लॉन्च किया था। 7 दिन का सफर तय कर 51 साल बाद कोई अमेरिकी स्पेसक्राफ्ट अमेरिकी समय के अनुसार शाम 6.23 बजे (भारतीय समयानुसार सुबह 4.53 बजे) चांद की जमीन पर उतरा। इसी के साथ 'ओडिसियस' मून लैंडिंग करने वाला किसी निजी कंपनी का पहला स्पेसक्राफ्ट बन गया है। खास यह रहा कि लैंडिंग से पहले 'ओडिसियस' के नेविगेशन सिस्टम में कुछ खराबी आई थी। इसके बाद भी सॉफ्ट लैंडिंग कराई गई। यह वह जगह है, जहां अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा आर्टिमिस मिशन के अंतरिक्ष में यात्रियों को भेजने पर विचार कर रहा है। बता दें, 1972 में पहली बार अपोलो-17 मिशन ने चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग की थी।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, लैंडिंग के बाद ओडिसियस की जानकारी नहीं मिली है। उससे संपर्क नहीं है। हालांकि मिशन के डायरेक्टर टिम क्रेन ने कहा कि हम बिना किसी संदेह के कह सकते हैं कि ओडिसियस चांद की सतह पर मौजूद है।

ऐसे हुई लैंडिंग

■ ओडिसियस प्राइवेट मिशन है, लेकिन इसमें अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा का भी सहयोग ■ मिशन के लिए जरूरी 6 उपकरण नासा ने तैयार किए हैं। ■ लैंडिंग से पहले ओडिसियस ने चांद की सतह के करीब पहुंचा। ■ स्पेसक्राफ्ट की स्पीड कम हुई। लैंडिंग की जगह पहले ही तय कर ली। ■ स्पेसक्राफ्ट में लगे कैमरे इसकी सटीक लोकेशन मिशन कंट्रोल रूम तक पहुंचाते रहे। ■ लेजर बीम सरफेस पर डाली गई। ■ फिर सॉफ्ट लैंडिंग हो गई।

चांद पर मौजूद धूल का करेगा अध्ययन

'ओडिसियस' 7 दिन तक चांद पर सोलर पैनल से चार्ज होगा। वह चांद पर धूल का अध्ययन करेगा। बता दें, अपोलो मिशन पूरा करके लौटे अंतरिक्ष यात्रियों ने बताया था कि धूल की वजह से उनके उपकरण खराब हो गए थे, इसलिए वैज्ञानिक समझना चाहते हैं कि स्पेसक्राफ्ट के लैंड होने से धूल कैसे हवा में रहती है और फिर चांद की सतह पर कैसे बैठ जाती है।

जहां लैंडिंग हुई, वहां पानी: ब्रिटिश मीडिया के मुताबिक लैंडर 'ओडिसियस' जहां लैंड हुआ है, उसे मालापर्ट के नाम से जाना जाता है। मालापर्ट 17वीं सदी के बेल्जियन एस्ट्रोनॉमर थे। वैज्ञानिकों का कहना है, यहां सूरज की रोशनी नहीं पहुंचती। वैज्ञानिकों का दावा है कि यहां बर्फ के रूप में पानी उपलब्ध है। ये एक खाई के करीब समतल जगह है।

इंदौर में आईओसीएल के डिपो मैनेजर के घर डकैती

इंदौर। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल) के डिपो मैनेजर के घर बदमाशों ने डकैती की। परिवार को मारपीट कर बंधक बनाया। चाकू की नोक पर जेवर और नकदी लूट ले गए। भागते समय परिवार को एक कमरे में बंद कर हांडा सिटी कार लेकर फरार हो गए। कालिंदी गोल्ड टाउनशिप में पुष्पेंद्र मित्तल के घर लुटेरों ने वारदात की। सुबह 4.30 बजे वे दरवाजा तोड़कर घुसे और पुष्पेंद्र के बेडरूम मे पहुंचे। डंडे और हथियारों से पुष्पेंद्र को जगाया और जेवर व नकदी मांगे। पत्नी आकांक्षा और दोनों बच्चे भी वहीं थे। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। क्राइम ब्रांच के साथ बाणगंगा पुलिस और धार पुलिस की टीम लुटेरों की तलाश कर रही है।

कर्मचारी परेशान, नई सरकार के गठन के ढाई महीने बाद भी बातचीत के रास्ते नहीं खुले

नई सरकार में पुरानी मांगे मानना तो दूर, मानदेय व डीए भी रोका

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पुरानी मांगे मानना तो दूर नई सरकार में कर्मचारियों के मानदेय, भत्ते और प्रोत्साहन राशि तक का भुगतान रूक रहा है। कर्मचारियों की माने तो उनके सामने आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। सरकार से बातचीत के रास्ते भी नहीं खुल रहे हैं। कर्मचारी संगठन एक-एक करके विभागों और विभागीय मंत्रियों के पास आवेदन-ज्ञापनों के माध्यमों से अपनी बात रख रहे हैं। कर्मचारी संगठनों के प्रमुखों का कहना है कि सरकार कम से कम उनकी बातों को सुने और निराकरण के प्रयास करें।

पदोन्नति नहीं मिलने से आरएईओ परेशान

पदोन्नति नहीं मिलने से ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी 'आरएईओ' परेशान है। इन्होंने लोकस सभा चुनाव के लिए लगने वाली आचार संहिता के पूर्व विभागीय पदोन्नति समिति की बैठकें कराने की मांग की हैं ताकि सेवानिवृत्त होने से पहले पात्रताधारियों को लाभ मिल सके। मप्र ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष मनोहर गिरी ने बताया कि उक्त मांगों को लेकर आयुक्त किसान कल्याण एवं कृषि विभाग को ज्ञापन दिया है।

फाइल फोटो

आशा कार्यकर्ताओं को पूरा मानदेय नहीं

प्रदेश के कई जिलों में आशा कार्यकर्ताओं को आधा अधूरा भुगतान मिल रहा है। जिसकी वजह से ये परेशान है। ये अधिकारियों द्वारा मानदेय व प्रोत्साहन राशि का समय पर भुगतान नहीं कराने से नाराज है। जनवरी 2024 महीने का आधा-अधूरा मानदेय मिला है।

आउटसोर्स कर्मी भी परेशान

इधर प्राथमिक, सामुदायिक और जिला अस्पतालों में सेवाएं देने वाले आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मी भी समय पर मानदेय नहीं मिलने से परेशान हैं। कर्मचारी संगठन के कोमल सिंह ने मानदेय भुगतान के लिए विभाग के प्रमुखों और उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल को ज्ञापन दिया है।

इन मांगों पर सुनवाई नहीं

प्रदेश के मान्यता प्राप्त कर्मचारी संगठनों के प्रमुखों के मुताबिक पुरानी पेंशन पर कोई बातचीत नहीं हो रही है। लिपिकों की वेतन विसंगति, पदोन्नति, विभिन्न संवर्ग के कर्मचारियों, अधिकारियों के ग्रेड-पे में सुधार नहीं किया जा रहा है। अनुकंपा नियुक्ति से जुड़े प्रकरण लंबित है। पुराने एरियर की राशि पर कोई बातचीत नहीं हुई। संविदा कर्मियों को नियमित करने की मांग की अनदेखी की जा रही है। आउटसोर्स कर्मियों को संविदा में शामिल नहीं किया जा रहा है। विभिन्न संवर्गों के खाली पदों को नहीं भरने और उनके काम का बोझ मौजूदा कर्मचारियों पर डाला जा रहा है।

कर्मचारियों के लिए समिति तो बनी, लेकिन रिपोर्ट सौंपने की समय सीमा तय नहीं

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने जताई नाराजगी, कहा- कर्मचारियों को योजना में शीघ्र शामिल किया जाए

भोपाल। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने आयुष्मान स्वास्थ्य योजना का लाभ कर्मचारियों को नहीं मिलने और बनाई गई समिति की रिपोर्ट देने की समय सीमा तय नहीं होने पर नाराजगी जाहिर की है। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव उमाशंकर तिवारी का कहना है कि प्रदेश के कर्मचारियों को आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के दायरे में लाने के लिए काफी समय की जा रही मांग को देखते हुए सरकार ने 9 फरवरी 2024 को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 9 सदस्य समिति का गठन कर दिया गया है, लेकिन इस समिति की रिपोर्ट देने की समय सीमा भी तय नहीं होने से समय पर कर्मचारियों को समय पर आयुष्मान योजना का लाभ मिलने की गुंजाइश काफी कम है। तिवारी ने कहा कि किसी भी आम इंसान को आयुष्मान का लाभ देने के लिए भारत सरकार हो या राज्य सरकार कोई समिति नहीं बनाई, लेकिन कर्मचारियों के लिए समिति गठन की गई है। तिवारी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री से मांग की है कि जिस प्रकार से आम इंसानों के लिए लागू की गई है उसी प्रकार प्रदेश के 7.50 लाख कार्यरत एवं 4 लाख 50 हजार सेवानिवृत कर्मचारियों को योजना में शीघ्र शामिल किया जाए।

मामला सिर पर बाल उगाने के दावों का

गुमठियों में संचालित हो रहे क्लीनिक, जांच के निर्देश

फाइल फोटो

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में भी बालों के झड़ने से परेशान लोगों की खासी तादात है तो बालों को नया रूपरंग व मात्रा देने का नया चस्का भी है। ऐसे में कई हेयर सैलून ऐसे हैं जो ग्राहकों को इस मामले में गुमराह करके चूना लगा सकते हैं। यानि ग्राहक की जेब भी ढीली हो जाएगी और बालो में बहार भी नहीं आएगी ! बताया जाता है कि कई गुमठियों में हेयर कटिंग सैलून चलाने वाले खुद को हेयर ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ बताकर अपना क्लीनिक चला रहे है। जबकि नेशनल मेडिकल कमीशन की गाइडलाइन के मुताबिक, प्लास्टिक सर्जन या फिर स्किन स्पेशलिस्ट ही हेयर ट्रांसप्लांट कर सकते है। राजधानी में इस वक्त गली-मोहल्लों में इस तरह की क्लीनिक संचालित हो रहे हैं,जिनके पास विशेषज्ञता का अभाव है। इससे आमजन की सेहत और स्वास्थ्य के लिये बड़ा खतरा बना हुआ है। बताया जाता है कि मानव अधिकार आयोग ने ऐसे मामले में आयोग ने कलेक्टर एवं सीएमएओ, भोपाल से मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। माना जा रहा है कि इस कदम के बाद प्रशासन व जिम्मेदार संस्थाएं ऐसे हेयर सैलून के प्रति जागरूक होंगी।

कॉलोनी में सीवेज पानी से परेशानीष अयोध्या एक्सटेंशन स्थित राजीव नगर वार्ड 64 जोन 15 में मयूर परिसर के पास खाली जगह पर सीवेज का पानी छोड़े जाने का मामला सामने आया है। इस मामले मे ंअब मानवअधिकार आयोग ने कलेक्टर एवं आयुक्त, नगर निगम से मामले की जांच कराकर जवाब मांगा है।

आस्था

भोपाल। संत रविदास जयंती पर शुक्रवार को नेहरू नगर चौराहे से समाजजनों ने शोभायात्रा निकाली।

अधिकारी चुप, दिखावे के लिए कभी कभार करते हैं खानापूर्ति कार्रवाई

गर्मी शुरू होने के पहले ही अवैध वेंडरों ने ट्रेनों व स्टेशनों पर बढ़ाया कारोबार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गर्मी शुरू होते ही अवैध वेंडरों की ट्रेनों और स्टेशनों पर धमा-चौकड़ी शुरू हो गई है। ये वेंडर बड़े-बड़े स्टॉल संचालकों और माफिया के इशारे पर काम करते हैं, जिन्होंने करोड़ों का कारोबार शुरू कर दिया है। ये 15 रुपये की पानी बोतल 20 रुपये में बेच रहे हैं। खानपान सामग्री भी महंगे दामों पर दे रहे हैं, जिनकी गुणवत्ता पर सवाल उठते रहे हैं। ये सबसे अधिक नई दिल्ली-चेन्नई रूट पर चलने वाली ट्रेनों को निशाना बना रहे हैं।

हाल ही में भोपाल रेलवे स्टेशन पर ऐसे कुछ वेंडरों को पकड़ा गया है। इनके खिलाफ रेलवे एक्ट की धारा 144 के तहत कार्रवाई की है लेकिन यह कार्रवाई लंबे समय बाद की है, जिसमें गिने-चुने वेंडर ही पकड़ाएं हैं। जिन पर खानापूर्ति जैसी कार्रवाई की।

अवैध वेंडरों के मालिकों तक तो पहुंचता ही नहीं रेलवे

अवैध वेंडर जिनके इशारों पर काम कर रहे हैं उन माफिया व स्टॉल संचालकों तक तो रेलवे के अधिकारी कभी भी नहीं पहुंचते। केवल संबंधित अवैध वेंडर पर कार्रवाई कर देते हैं। इसकी वजह से ये अवैध वेंडर दोबारा आ जाते हैं। रेलवे मामलों के जानकारों का कहना है कि यह सब अधिकारियों की चाल होती है, चूंकि इन्हें रिकार्ड में दिखाना होता है कि अवैध वेंडरों के खिलाफ कार्रवाई तो कर रहे हैं लेकिन यह कार्रवाई अंतिम छोर तक नहीं की जाती, जिसके कारण यात्रियों को कभी भी इन अवैध वेंडरों और इनके मालिकों से निजात नहीं मिलती।

फाइल फोटो

निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए आज से आवेदन, 3 मार्च अंतिम तारीख

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शैक्षणिक सत्र 2024-25 में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत गैर-अनुदान मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों में कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों के ऑनलाइन निःशुल्क प्रवेश के लिए राज्य शिक्षा केन्द्र ने समय-सारणी जारी कर दी है। आरटीई आवेदक 23 फरवरी से शुरू होंगे। इसके लिए अंतिम तारीख 3 माच तय की गई है।

आवेदक 24 फरवरी से 5 मार्च तक पावती डाउनलोड और मूल दस्तावेजों का केन्द्रों में सत्यापन करा सकेंगे। जिसके बाद 7 मार्च को पारदर्शी रेण्डम पद्धति से ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से स्कूल आवंटित किया जाएगा। जिसकी सूचना एसएमएस से भी भेजी जाएगी। 11 मार्च से 19 माच तक आवंटित स्कूल में प्रवेश लिए जाएंगे। प्रवेश लेते समय ही

आरटीई : 5 मार्च तक दस्तावेजों का होगा सत्यापन, 7 मार्च को निकलेगी लॉटरी

संबंधित प्राइवेट स्कूल द्वारा मोबाइल एप के माध्यम से एडमिशन रिपोर्ट भी दर्ज की जायेगी।

दूसरे चरण की प्रक्रिया 21 मार्च से शुरू होगी

प्रथम चरण की प्रकिया समाप्त होते ही द्वितीय चरण में प्रवेश के लिये प्रक्रिया शुरू की जाएगी। पोर्टल पर 21 मार्च, 2024 को रिक्त सीटों को प्रदर्शित किया जाएगा। द्वितीय चरण में 22 से 26 मार्च तक स्कूलों की च्वाइस अपडेट की जा सकेगी। द्वितीय चरण की ऑनलाइन लॉटरी 28 मार्च को होगी और स्कूलों का आवंटन किया जायेगा। द्वितीय चरण में लॉटरी से चयनित आवेदक 30 मार्च से 5 अप्रैल, 2024 के बीच आवंटन-पत्र डाउनलोड कर आवंटित स्कूल में प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे।

महामृत्युंजय जाप व रुद्राभिषेक हुआ

सुखसागर उदासीन आश्रम में माघ मेले की शुरुआत

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सुखसागर उदासीन आश्रम संतनगर में महाशिवरात्रि का पावन पर्व व माघ मेले की शुरुआत महामृत्युंजय का जाप, शिवजी का रुद्राभिषेक दूध, दही, शहद, घी एवं घृत से किया गया। महामृत्युंजय का जाप हवन के साथ आश्रम के महंत स्वामी बाबा रामदास उदासीन के सानिध्य में शुरु हुआ। इ

स अवसर पर बाबा रामदास उदासीन ने गुफा मंदिर, लालघाटी के आचार्यो के साथ पूजा अर्चना की। आश्रम में 11 फरवरी से ओम नम शिवाय धुनी शुरु की गयी है जिसका समापन 08 मार्च को महाशिवरात्रि पर होगा। इस अवसर पर बाबा रामदास ने माघ महीने का महत्व बताया कि भगवान शिवजी की पूजा अर्चना करने से सबकी मनोकामनाऐं पूर्ण होती है इसलिए स्सभी शिष्य एवं धर्मप्रेमी आकर इस धार्मिक कार्यक्रम में आकर सम्मिलित हो।

इस अवसर पर गुरुमाता राधा देवी उदासीन, संतोष उदासीन, नानक उदासीन, बाबा गोविंददास सेवा समिति के नारायण दास सभनानी, माधू चांदवानी, लाल जसवानी, मोहनलाल, गोवर्धनदास सदारंगानी, लीलाराम लेखवानी, श्याम गोपलानी, माधव पारदासानी, तुलसी सदारंगानी, रमेश दरयानी सहित धर्मप्रेमीबंधु उपस्थित थे। महामृत्युंजय जाप, रुद्राभिषेक एवं हवन कार्यक्रम 26 फरवरी तक रहेगा। अंत में आम भंडारे का आयोजन किया गया।

मेट्रो एंकर

सिंधी भाषा में रामायण के प्रकाशन पर बल्लू चोइथानी सम्मानित

मातृ भाषा से प्यार मां की पूजा है - रीझवानी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

पूज्य सिंधी पंचायत द्वारा अंतराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया। पंचायत सभागृह में आयोजित कार्यक्रम में पंचायत महासचिव माधू चांदवानी ने विश्व मातृभाषा के महत्व पर प्रकाश डाला।

पंचायत के अध्यक्ष साबू रीझवानी ने कहा कि मातृभाषा हमारी मां है। मातृभाषा में बोलना मॉ से प्यार व उनकी पूजा के बराबर है। रीझवानी ने मातृभाषा की जोरदार वकालत करते हुए बताया कि कौम वहीं जिन्दह रहेगी जिसकी जबान जिन्दह रहेगी। यह भी सत्य है कि मातृभाषा लिप्त होने से संस्कृति भी खत्म होती है जिसका पूरा असर कौम पडता है इसलिए मातृभाषा का उत्थान सबका कर्तव्य है। शिक्षाविद विष्णु गेहाणी ने कहा कि मातृभाषा को रोजगार से जोडना तथा शिक्षको की कमी को पूर्ति करना आवश्यक है।

भाजपा मण्डल अध्यक्ष कमल वीधानी, भाजपा नेता चंद्रप्रकाश इसरानी, विजयनगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष इन्द्रदास मेघानी, थोक

वस्त्र व्यवसाय के अध्यक्ष कन्हैयालाल इसरानी, कांग्रेस नेता घनश्याम लालवानी, हिन्दू नेता हीरो हिन्दू ने भी मातृभाषा का अपने घर से ही बोलचाल, प्यार, संस्कार, रीतिरिवाज आदि के माध्यम से उत्थान किए जाने का भी सुझाव दिया।

बर्तन व्यापारी संघ अध्यक्ष रामचंद मूलचंदानी ने भी मातृभाषा के उत्थान लाई गई जागृति के लिए पंचायत के प्रयासों को सराहा और अपनी भाषा के विकास हेतु संकल्प लेने की आवश्यकता बताई। इस अवसर पर अनेक पुरस्कार प्राप्त वरिष्ठ साहित्यकार बल्लू चोइथानी का अपनी मेहनत व लग्न से सिंधी भाषा में रामायण प्रकाशन करने से फूल माला व शाल व श्रीफल से सम्मानित किया गया।

सिंधी भाषा के उत्थान एवं प्रोत्साहन हेतु जहां कलाकार व गायक रमेश तनवानी, नरेश वलेचा, गुलाब जेठानी एवं बल्लू चोइथानी ने अपने जोरदार व असरदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में जहां विभिन्न संस्थाओं से जुडे पदाधिकारी मौजूद रहे।

पंचायत उपाध्यक्ष भरत आसवानी, नंद दादलानी, जगदीश आसवानी, मोहन मीरचंदानी, जेठानंद मंगतानी, गुलाब जेठानी, के.के.आसूदानी, अशोक तनवानी, कन्हैया नागदेव, हीरो गनवानी, राजन धनवानी, राजू धनवानी, प्रेम पठानी, दयाल दोलतानी, बूलचंद वासवानी, दयाल चंगलानी, नंदकुमार छुगानी, नारी तनवानी, मोहनलाल आसवानी, मुरली गुरबानी, महेश गुरबानी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

उन्नति और विकास की लहर
हर क्षेत्र - हर शहर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत-2047 के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश निरंतर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे रहा है। सरकार के प्रयासों का सुपरिणाम है कि लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है और प्रदेश के शहरों और उपनगरीय क्षेत्रों में औद्योगिक और अधोसंरचना विकास से जीवन स्तर अब और भी बेहतर होने लगा है।

मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव

द्वारा

₹752 करोड़ लागत

के विकास कार्यों का

भूमिपूजन एवं लोकार्पण

23 फरवरी, 2024 - अपराह्न 1:30 बजे - दशहरा मैदान, नीमच

भूमिपूजन

औद्योगिक क्षेत्र झांझरवाड़ा में ₹ 585 करोड़ लागत से कपड़ा-परिधान इकाइयों का निर्माण

लालपुरा तालाब एवं कायाकल्प योजना 2.0 अंतर्गत सड़कों का निर्माण

लोकार्पण

औद्योगिक क्षेत्र झांझरवाड़ा में कपड़ा-परिधान इकाई के निर्माण से रोज़गारों का सृजन

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए जावद एवं मनासा में 7 उप-स्वास्थ्य केन्द्रों का निर्माण

जावद एवं मनासा की 3 जनपद पंचायतों में कृषक सुविधा केन्द्रों के निर्माण से कृषकों को लाभ

नगर परिषद् मनासा में मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक का निर्माण 5000 से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

रतलाम-नसीराबाद मार्ग पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण से 2 लाख से अधिक लोगों का आवागमन आसान

D-11214/23

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @Jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @JansamparkMP JansamparkMP मध्यप्रदेश शासन

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2024

सुविचार

''लक्ष्मी की चोरी हो सकती है लेकिन सरस्वती की नही, इसलिए अपनी औलादों को शिक्षित बनाये धनवान नहीं।''

– अज्ञात

संपादकीय

किसानों की मांगे, जिद व मौका

दिल्ली फिर किसानों की घेरबंदी से चिंतित व परेशान है। यह तीन साल पुरानी स्थिति की याद दिला रही है। तब किसानों ने करीब सालभर यहां डटे रहकर आंदोलन किया था। इस बार किसानों ने अपना यह आंदोलन ऐसे समय शुरू किया है, जब आम चुनाव के बमुश्किल दो-तीन महीने रह गए हैं। सरकार इन किसानों की मांगों पर कुछ असमंजस में भी दिखती है। दरअसल मौजूदा सरकार कोई आश्वासन दे भी देती है तो उस पर अमल चुनाव के बाद गठित नई सरकार ही करेगी। यानी सरकार के आकार प्रकार में यदि कोई परिवर्तन आया तो इस स्थिति में इन वादों के भविष्य को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं रहा जा सकता। इसलिये यह भी बेहतर होगा किसान नेतृत्व अपने रुख पर दोबारा विचार करें संभावनाओं को खुला रखे। वहीं किसानों का यह मानना साफ नजर आ रहा है कि चुनाव के दबाव के चलते सरकार इनकी मांगों पर पिघल सकती है। इनकी मांगों पर अब तक केंद्र सरकार की ओर से तीन फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की पेशकश की जा चुकी है लेकिन इसको किसानों द्वारा ठुकरा दिए जाने से समझौते का एक अच्छा मौका हाथ से निकलता दिख रहा है। इस मामले में कभी कभी किसान नेताओं का रुख जल्दबाजी से प्रेरित लगने लगता है। उसमें सुधार की गुंजाइश ही नहीं, जरूरत भी है। इसकी कई ठोस वजहें गिनाई जा सकती हैं। पंजाब ही नहीं, कई अन्य राज्यों में भी खेती से जुड़ा एक बड़ा संकट यह है कि गिरते भू जलस्तर की वजह से सिंचाई करना मुश्किल होता जा रहा है। ऐसे में धान, गेहूं और गन्ना जैसी फसलें जिन्हें ज्यादा पानी की जरूरत होती है, समस्या को और गंभीर बनाती हैं। चूंकि न्यूनतम समर्थन मूल्य की नीति का फायदा असल में इन्हीं फसलों पर मिलता है, इसलिए किसानों के इन फसलों से हटने की स्थिति नहीं बन रही। केंद्र सरकार ने भले ही किसान आंदोलन के दबाव में यह पेशकश की हो, लेकिन दाल, मक्का और कपास पर न्यूनतम समर्थन मूल्य देने का प्रस्ताव इस मायने में भी गौर करने लायक है कि इनकी खेती में कम पानी की जरूरत होती है। लिहाजा, यह नीति किसानों को फायदा पहुंचाने के साथ ही आने वाले समय में पर्यावरण और खेती के हालात सुधारने के लिहाज से भी उपयोगी हो सकती है। दिलचस्प है कि किसान नेताओं ने इस पेशकश को ठुकराने का जो आधार बताया है, वही इसे ज्यादा सार्थक बनाता है। सरकार का कहना है कि इस प्रस्ताव का फायदा उन किसानों को मिलेगा, जो फसलों का पैटर्न बदलते हैं। आज की तारीख में किसानों के सामने मक्के, दाल और कपास जैसी फसलों को अपनाने की ठोस वजह नहीं है। ऐसे में यह नीति इस कमी को दूर सकती है। जट से जुड़ी सीमाओं को फिलहाल छोड़ दें, तब भी सभी फसलों पर एमएसपी गारंटी की मांग पूरी तरह अव्यावहारिक है। न्यूनतम समर्थन मूल्यों की गारंटी का तभी कोई अर्थ है जब सरकार खुद वे फसलें खरीदे वरना वह एक कागजी औपचारिकता बन कर रह जाएगी। धान और गेहूं की सरकारी खरीद को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत खपाने की व्यवस्था है। मगर अन्य फसलों के मामले में ऐसा नहीं है। जाहिर है कि किसानों का संघर्ष बहुत लंबा है और खेती इस वक्त बहुत चुनौतीपूर्ण बन गई है। जरूरत है कि दोनों पक्ष बैठें और व्यवहारिक नजरिये से इनके समाधान की तरफ बढ़ें।

आज का इतिहास

- 1525- विख्यात कवि लुई वास कैमुएन्स का पुर्तगाल के लिस्बन नगर में जन्म।
- 1708- प्रिंस जोहान विलेम फ्रिसो ग्रोनिंगन के वायसराय बने।
- 1821- मैक्सिको ने स्पेन से स्वतंत्रता प्राप्त की।
- 1822- विश्व के पहले स्वामी नारायण मंदिर का उद्घाटन अहमदाबाद में हुआ।
- 1857- पहला अमेरिकी डाक टिकट सरकार को सौंपा गया।
- 1882- संक्रामक रोग टीबी की पहचान की गई।
- 1894- निकारागुआ ने होंजुरास की राजधानी तेगुसिगालपा पर कब्जा किया।
- 1895 -क्यूबा में स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए लड़ाई शुरू हुई।
- 1918- यूरोपीय देश एस्टोनिया को रूस से स्वतंत्रता मिली।
- 1920- जर्मन वर्कर्स पार्टी की एक बैठक में हिटलर ने पार्टी का नाम बदलकर नाजी पार्टी रखा।
- 1924 - प्रसिद्ध भारतीय गजल गायक तलत महमूद का जन्म।
- 1945- मिस्र और सीरिया ने नाजी जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- 1948- फिल्म से लेकर राजनीति तक का सफर तय करने वाली जयललिता का जन्म।
- 1961- मद्रास सरकार ने राज्य का नाम बदलकर तमिलनाडु करने का फैसला किया।
- 1974- पाकिस्तान ने आधिकारिक रूप से बंगलादेश को मान्यता दी।
- 1976 -क्यूबा में संविधान को अंगीकार किया गया।
- 1991 - अमेरिका और गठबंधन सेनाओं ने इराकी सेना के खिलाफ जमीनी लड़ाई शुरू की।

निशाना

है ख़तरे में साख !

– कृष्णेन्द्र राय

होना होगा पेश।
भागो बच कर लाख ।।
देर हो रही जितनी।
है खतरे में साख ।।
ना चलना बहाना।
है करना स्पष्ट ।।
मुख्य चेहरा आप।
किसलिए फिर कष्ट ।।
उत्तम है यदि आप।
करें ऐसा पेश ।।
भागने से ऐसे।
रहता बढ़ता क्लेश ।।
न्याय और कानून पर।
ठीक नहीं प्रहार ।।
आप नहीं अबोध।
करें तनिक उपकार ।।

संकटग्रस्त दुनिया को नई चेतावनी, आखिर किस बड़ी मुसीबत की ओर इशारा कर रही है 'डूम्सडे क्लॉक'

भारत डोगरा

धरती की जीवनदायिनी क्षमताओं के अधिक संकटग्रस्त होने के बीच हाल ही में वैज्ञानिकों ने नई चेतावनी जारी की है। इसे डूम्सडे क्लाक चेतावनी कहा जा रहा है। विश्व में 'डूम्सडे क्लॉक' अपनी तरह की एक प्रतीकात्मक घड़ी है, जिसकी सुइयों की स्थिति के माध्यम से यह दर्शाने का प्रयास किया जाता है कि विश्व किसी बहुत बड़े संकट की आशंका के कितने नजदीक है। इस घड़ी का संचालन 'बुलेटिन ऑफ एटोमिक साइंटिस्ट्स' नामक वैज्ञानिक संस्थान द्वारा किया जाता है। इसके परामर्शदाताओं में 15 नोबेल पुरस्कार विजेता भी हैं। ये सभी मिलकर प्रति वर्ष तय करते हैं कि इस वर्ष घड़ी की सुइयों को कहां रखा जाए।

इस घड़ी में रात के 12 बजे को धरती पर बहुत बड़े संकट का पर्याय माना गया है। घड़ी की सुइयां रात के 12 बजे के जितने नजदीक रखी जाएंगी, उतने ही बड़े संकट से धरती (व उसके लोगों व जीवों) के संकट की स्थिति मानी जाएगी। 2024 में इन सुइयों को (रात के) 12 बजने में 90 सेकंड पर रखा गया है। संकट के प्रतीक 12 बजे के समय से इन सुइयों की इतनी नजदीकी 2023-24 के अतिरिक्त कभी नहीं रही। दूसरे शब्दों में, यह घड़ी दर्शा रही है कि इस समय धरती किसी बहुत बड़े संकट के सबसे करीब है।

'डूम्सडे घड़ी' के वार्षिक प्रतिवेदन में इस स्थिति के तीन कारण बताए गए हैं। पहली वजह यह है कि जलवायु बदलाव का संकट बढ़ रहा है। जलवायु बदलाव नियंत्रित करने की संभावनाएं समग्र रूप से धूमिल हुई हैं। दूसरी वजह यह है कि परमाणु हथियार नियंत्रित करने के समझौते कमजोर हुए हैं, जिससे परमाणु युद्ध का खतरा बढ़ा है। तीसरी वजह यह है कि ए.आई. (आर्टीफिशयल इंटेलीजेंस) व जेनेटिक इंजीनियरिंग का बहुत दुरुपयोग हो रहा है, जिसका सुरक्षा पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। इन तीन कारणों के मिले-जुले असर से आज विश्व बहुत बड़े संकट की आशंका की दहलीज पर पहुंच चुका है। और इस संकट को कम करने के लिए तुरंत कदम उठाना जरूरी है। सवाल यह है कि क्या 'डूम्सडे घड़ी' के इस अति महत्वपूर्ण संदेश को विश्व नेतृत्व समय रहते समझेगा? हाल के वर्षों में यह निरंतर स्पष्ट होता रहा है कि अब तो धरती की जीवनदायिनी क्षमता ही खतरे में है। जिन कारणों से हजारों वर्षों तक धरती पर विविधतापूर्ण जीवन पनप सका, वे आधार ही संकटग्रस्त हो चुके हैं।

इन अति गंभीर समस्याओं के समाधान को सर्वाधिक महत्व पूरे विश्व में मिले, इसे ध्यान में रखते हुए 'धरती रक्षा अभियान' (सेव द अर्थ कैंपेन) आरंभ किया गया है। इस अभियान का व्यापक उद्देश्य धरती की जीवनदायिनी क्षमता की रक्षा करना है। इसके दो विशिष्ट उद्देश्य हैं-पहला, धरती से सभी परमाणु हथियार व महाविनाशक हथियार समाप्त हों व दूसरे, धरती पर तापमान वृद्धि को तय मानक तक सीमित रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएं। इस अभियान का प्रथम प्रयास यह है कि मौजूदा दशक (2020-30) को वैश्विक स्तर पर 'धरती रक्षा दशक' के रूप में घोषित किया जाए। एक बड़ा सवाल हमारे सामने है कि आखिर इन गंभीर संकटों को समय रहते कैसे कम किया जाए। समय सीमा का सवाल इस कारण भी बहुत बड़ा है, क्योंकि जलवायु बदलाव के साथ टिपिंग पॉइंट भी जुड़े हैं। एक बार यह सीमा पार हो गई, तो फिर स्थितियां नियंत्रण से बाहर निकल सकती हैं। विश्व के शीर्ष विशेषज्ञ बता रहे हैं कि इस समस्या के समाधान के लिए हमारे पास बस एक दशक बचा है।

एक बड़ी जरूरत इस बात की है कि धरती के जीवन पर मंडरा रहे अभूतपूर्व संकट की समझ अधिक लोगों तक पहुंचे। यह समझ सही परिप्रेक्ष्य में अधिक लोगों तक पहुंचेगी, तभी लोग अधिक संख्या में आगे आएंगे। इस समय इन मुद्दों की गंभीरता की जानकारी रखने वाले लोगों की संख्या अपेक्षाकृत कम है। इन मुद्दों को न्याय व लोकतंत्र के मुद्दों से जोड़कर व्यापक समझ बनानेवाले लोगों की संख्या तो और भी कम है। ऐसी समझ बनाकर हमें धरती की रक्षा की वह राह निकालनी है, जो समता व सादगी, न्याय व लोकतंत्र की राह है। इस समय संकट और समाधान की सही समझ को अधिक लोगों तक पहुंचाना और उन्हें समाधान के प्रयासों से जोड़ना एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

संत गुरु रविदास जयन्ती- 24 फरवरी, 2024 के उपलक्ष्य में

रविदासजी एक सिद्ध एवं अलौकिक समाज-सुधारक संत थे

ललित गर्ग

जब भारतीय समाज और धर्म का स्वरूप रूढ़ियों एवं आडम्बरों में जकड़ा एवं अंधकारमय था तब संत गुरु रविदास एक रोशनी बनकर समाज को दिशा दी। वे अध्यात्म की सुदृढ़ परम्परा के संवाहक थे। वे ईश्वर को पाने का एक ही मार्ग जानते थे और वो है 'भक्ति', इसलिए तो उनका एक मुहावरा आज भी बहुत प्रसिद्ध है कि, 'मन चंगा तो कठौती में गंगा'। हर जाति, वर्ग, क्षेत्र और सम्प्रदाय का सामान्य से सामान्य व्यक्ति हो या कोई विशिष्ट व्यक्ति हो - सभी में विशिष्ट गुण खोज लेने की दृष्टि उनमें थी। गुणों के आधार से, विश्वास और प्रेम के आधार से व्यक्तियों में छिपे सद्गुणों को वे पुष्प में से मधु की भाँति उजागर करने में सक्षम थे। परस्पर एक-दूसरे के गुणों को देखते हुए, खोजते हुए उनको बढ़ाते चले जाना रविदासजी के सर्वधर्म समभाव या वसुधैव कुटुम्बकम् के दर्शन का द्योतक थे। संत शिरोमणि गुरु रविदासजी एक महान संत और समाज सुधारक थे। भक्ति, सामाजिक सुधार, मानवता के योगदान में उनका जीवन समर्पित रहा। रविदासजी के जन्म को लेकर कई मत हैं। लेकिन रविदासजी के जन्म पर एक दोहा खूब प्रचलित है- 'चौदस सो तैंसीस कि माघ सुदी पन्दरास, दुखियों के कल्याण हित प्रगटे श्री गुरु रविदास- इस पंक्ति के अनुसार गुरु रविदास का जन्म माघ मास की पूर्णिमा को रविवार के दिन 1433 को हुआ था। इसलिए हर साल माघ मास की पूर्णिमा तिथि को रविदास जयंती के रूप में मनाया जाता है जोकि इस वर्ष 24 फरवरी 2024 को है। रैदास पंथ का पालन करने वाले लोगों में रविदास जयंती का एक विशेष महत्व है। रविदासजी का जन्म उत्तर प्रदेश के वाराणसी के गोवर्धनपुर गाँव में एक मोची परिवार में हुआ था। वे कबीरजी के समकालीन थे और अध्यात्म, धर्म, समाज-व्यवस्था पर कबीरजी के साथ उनके कई संवाद उपलब्ध हैं। मध्यकाल की प्रसिद्ध संत मीराबाई भी रविदासजी को अपना आध्यात्मिक गुरु मानती थीं। रविदासजी ने लोगों को एक नई राह दिखाई कि घर-गृहस्थी में रहकर और गृहस्थ जीवन जीते हुए भी शील-सदाचार और पवित्रता का जीवन जिया जा सकता है तथा आध्यात्मिक ऊंचाइयों को प्राप्त किया जा सकता है। अपनी सामान्य पारिवारिक पृष्ठभूमि के बावजूद भी रविदासजी भक्ति आंदोलन, हिंदू धर्म में भक्ति और समतावादी आंदोलन में एक प्रमुख पुरोधा पुरुष के रूप में उजागर हुए। 15 वीं शताब्दी में रविदास जी द्वारा चलाया गया भक्ति आंदोलन उस समय का एक बड़ा आध्यात्मिक आंदोलन था।

धर्म के वास्तविक स्वरूप को उजागर करने, भक्ति और ध्यान में गुरु रविदास का जीवन समर्पित रहा। उन्होंने भक्ति के भाव से कई गीत, दोहे और भजनों की रचना की। पवित्रता, मानवीयता, आत्मनिर्भरता, सहिष्णुता और एकता उनके मुख्य धार्मिक संदेश थे। हिंदू धर्म के साथ ही सिख धर्म के अनुयायी भी गुरु रविदास के प्रति श्रद्धा भाव रखते हैं। यही कारण है कि रविदासजी की 41 कविताओं को सिखों के पांचवें गुरु अर्जुन देव ने पवित्र ग्रंथ आदिग्रंथ या गुरुग्रंथ साहिब में शामिल कराया था। वे समाज सुधारक थे, तत्कालीन रूढ़ियों, आडम्बरों एवं दुराचारों को समाप्त कर स्वस्थ समाज संरचना करने में भी उनका विशेष योगदान रहा। इन्होंने समाज से जातिवाद, भेदभाव और सामाजिक असमानता के खिलाफ जनजागृति का वातावरण निर्मित कर समाज को समानता और न्याय के प्रति प्रेरित किया। गुरु रविदासजी ने शिक्षा के महत्व पर जोर दिया और अपने शिष्यों को उच्चतम शिक्षा पाने के लिए प्रेरित किया। रविदासजी एक सिद्ध एवं अलौकिक संत थे। एक कथा के अनुसार रविदासजी बचपन में अपने साथियों के साथ खेल रहे थे। उनमें से एक साथी अगले दिन खेलने नहीं आता है तो रविदासजी उसे ढूंढते हुए उसके घर तक पहुंच जाते हैं। उसकी मृत्यु हो गई और वे मृत शरीर को देखकर बहुत दुखी होते हैं और अपने मित्र को बोलते हैं कि उठो ये समय सोने का नहीं है, मेरे साथ खेलो। इतना सुनकर उनका मृत साथी खड़ा हो जाता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि संत रविदासजी को बचपन से ही आलौकिक शक्तियां प्राप्त थी। लेकिन जैसे-जैसे समय निकलता गया उन्होंने अपनी शक्तियों को भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण की भक्ति में लगाई। इस तरह धीरे-धीरे लोगों का भला करते हुए वे जन-जन के प्रिय अलौकिक संत बन गए।

संत गुरु रविदास ने स्वयं को ही पग-पग पर परखा और निथारा। स्वयं को भक्त माना और उस परम ब्रह्म परमात्मा का दास कहा। वह अपने और परमात्मा के मिलन को ही सब कुछ मानते। शास्त्र और किताबें उनके लिये निरर्थक और पाखण्ड था, सुनी-सुनाई तथा लिखी-लिखाई बातों को मानना या उन पर अमल करना उनको गंवारा नहीं। इसीलिये उन्होंने जो कहा अपने अनुभव के आधार पर कहा, देखा और भोगा हुआ ही व्यक्त किया, यही कारण है कि उनके दोहे इंसान को जीवन की नई प्रेरणा देते थे। रविदासजी शब्दों का महासागर हैं, ज्ञान का सूरज हैं। उनके बारे में जितना भी कहो, थोड़ा है, उन पर लिखना या बोलना असंभव जैसा है। सच तो यह है कि बूंद-बूंद में सागर है और किरण-किरण में सूरज। उनके हर शब्द में गहराई है, सच का तेज और ताप है। संत गुरु रविदास सर्वधर्म सद्भाव के प्रतीक थे, साम्प्रदायिक सद्भावना एवं सौहार्द को बल दिया। उनको हिन्दू के अलावा अन्य संप्रदायों में बराबर का सम्मान प्राप्त था। उन्होंने मानव चेतना के विकास के हर पहलू को उजागर किया। श्रीकृष्ण, श्रीराम, महावीर, बुद्ध के साथ-साथ भारतीय अध्यात्म आकाश के अनेक संतों-आदि शंकराचार्य, नानक, रैदास, मीरा आदि की परंपरा में रविदासजी ने भी धर्म की त्रासदी एवं उसकी चुनौतियों को समाहित करने का अनूठा कार्य किया। जातिवाद एवं सम्प्रदायवाद के खिलाफ वातावरण बनाया। जीवन का ऐसा कोई भी आयाम नहीं है जो उनके दोहों-विचारों से अस्पर्शित रहा हो। अपनी कथनी और करनी से मृतप्रायः मानव जाति के लिए रविदासजी ने संजीवनी का कार्य किया। इतिहास गवाह है, इंसान को ठोंक-पीट कर इंसान बनाने की घटना रविदासजी के काल में, रविदासजी के ही हाथों, उनकी रचनाओं-विचारों एवं कार्यों से हुई। शायद तभी रविदासजी कवि मात्र ना होकर युगपुरुष और युगस्रष्टा कहलाए। न तो किसी शास्त्र विशेष पर उनका भरोसा रहा और ना ही उन्होंने जीवन भर स्वयं को किसी शास्त्र में बाँधा। रविदासजी ने समाज की दुखती रग को पहचान लिया था। वे जान गए थे कि हमारे सारे धर्म और मूल्य पुराने हो गए हैं। नई समस्याएँ नए समाधान चाहती हैं। नए प्रश्न, नए उत्तर चाहते हैं। नए उत्तर, पुरानेपन से छुटकारा पाकर ही मिलेंगे।

संत गुरु रविदास ने धरती और धरती के लोगों की धड़कन को सुना। धड़कनों के अर्थ और भाव को समझा। इन धड़कनों को वे जितना आत्मसात करते चले, उतना ही उनका जीवन ज्ञान एवं संतता का ग्रंथ बनता गया। यह जीवन ग्रंथ शब्दों और अक्षरों का जमावड़ा मात्र नहीं, बल्कि इसमें उन सच्चाइयों एवं जीवन के नए अर्थों-आयामों का समावेश है, जो जीवन को शांत, सुखी एवं उन्नत बनाने के साथ-साथ जीवन को सार्थकता प्रदान करते हैं। उनके अनुभवों और विचारों ने एक नई दृष्टि प्रदान की। इस नई दृष्टि को एक नए मनुष्य का, एक नए जगत का, एक नए युग का सूत्रपात कहा जा सकता है। रविदासजी भारत की उज्ज्वल गौरवमयी संत परंपरा में सर्वाधिक समर्पित एवं विनम्र संत हैं। वे गुरुओं के गुरु थे, उनका फकड़पन और पुरुषार्थ, विनय और विवेक, साधना और संतता, समन्वय और सहअस्तित्व की विलक्षण विशेषताएं युग-युगों तक मानवता को प्रेरित करती रहेंगी।

यह लेखक के अपने विचार हैं।

मालखेड़ी रेशम केंद्र का कलेक्टर सोनिया मीना ने किया निरीक्षण

जिले में रेशम के प्रोडक्शन को बढ़ावा दिया जाए: कलेक्टर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले में रेशम के प्रोडक्शन को बढ़ावा दिया जाए। इसके लिए व्यवस्थित कार्ययोजना तैयार कर प्रस्ताव तैयार करें। यह निर्देश कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने बुधवार को जिले के मालाखेड़ी स्थित रेशम केंद्र के निरीक्षण के दौरान जिला रेशम अधिकारी को दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सुश्री मीना ने रेशम बनाने की प्रक्रिया, रेशम बुनाई के पूर्व ट्विस्टिंग , मूलबरी और तसर रेशम के प्रोडक्शन इत्यादि के बारे में जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान जिला रेशम अधिकारी रविंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थें।

खाद्य विभाग ने की छापामार कार्रवाई दुकानों से लिए सैंपल

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम जिले में जिला कलेक्टर सोनिया मीना के विशेष निर्देशन पर द्वारा चलाई जा रही खाद्य सामग्री में किसी प्रकार की मिलावट न हो जिसकी जांच की जा रही है।जिसमे विशेष कर होटल और दूध डेरी पर मिलने वाले मावा पनीर दूध घी दही की शुद्धता को लेकर खाद्य अधिकारियों द्वारा जांच की जा रही है इसी के चलते सिवनी मालवा एसडीएम प्रमोद कुमार गुर्जर के मार्गदर्शन में बुधवार के दिन जिले से आए खाद्य अधिकारी श्री राणा नायब तहसीलदार नितिन राय फूड इंस्पेक्टर एएस खान सहित पुलिस दल की एक संयुक्त टीम ने सिवनी मालवा के मनभावन मिष्ठान बृजवासी डेरी से पनीर और मावा का सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा वहीं अन्य किराना दुकानों पर भी खाद्य सामग्री की जांच की गई।

नर्मदापुरम् में विकसित भारत संकल्प यात्रा का द्वितीय चरण

प्रदेश शासन की विभिन्न योजनाओं के लाभ से 1463 हितग्राहियों को लाभान्वित किया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार नगरीय क्षेत्र नर्मदापुरम् में प्रथम दिवस गुरुवार को प्रातः 10.30 बजे विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा के मुख्य आतिथ्य में विकसित भारत संकल्प यात्रा द्वितीय चरण हेतु वेन का वार्ड क्रमांक 27, जुमेराती काली मंदिर के पास आगमन हुआ, जिसमें यात्रा में पधारे मुख्य अतिथि, एवं गणमान्य अतिथियों एवं गणमान्य नागरिकों का स्वागत सत्कार हुआ ।

मुख्य अतिथि डॉ. सीतासरन शर्मा द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलित एवं कन्या पूजन कर विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं गतिविधियों से अवगत कराया गया तथा प्रधानमंत्री का संदेश वाचन एवं संकल्प वीडियो विकसित भारत की एवं फिल्म का प्रदर्शन, सास्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ एवं बालक-बालिकाओं द्वारा सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुती दी गई. मेरी कहानी मेरी जुबानी अंतर्गत स्व. सहायता समूह. पी.एम. स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना के हितग्राहियों द्वारा प्राप्त योजनाओं के संबंध में अनुभव साझा करने हेतु मंच पर भाषण हुए तथा सम्मान समारोह एवं क्वीज प्रतियोगिता एवं समस्त योजनाओं के हितग्राहीयों को मुख्य अतिथि द्वारा लाभ वितरण किए जाने एवं कार्यक्रम में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति तथा वक्तव्य हेतु आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम के समापन उपरांत विकसित भारत संकल्प यात्रा वेन वार्ड क्रमांक 28 सतरास्ता कार्यक्रम स्थल की ओर प्रस्थान हुआ।

इसी तरह दोपहर 02.30 बजे विकसित भारत संकल्प यात्रा वेन वार्ड क्रमांक 28 सतरास्ता कार्यक्रम स्थल पर पहुँचने उपरांत प्रातः काल की भौतियात्रा में पधारे मुख्य अतिथि, एवं गणमान्य अतिथियों एवं गणमान्य नागरिकों का स्वागत सत्कार हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. सीतासरन शर्मा द्वारा दीप प्रज्जवलित एवं कन्या पूजन कर विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं गतिविधियों से अवगत कराया गया तथा प्रधानमंत्री का संदेश वाचन एवं संकल्प वीडियो विकसित भारत की एवं फिल्म का प्रदर्शन, सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ एवं बालक-बालिकाओं द्वारा सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुती दी गई, मेरी कहानी मेरी जुबानी अंतर्गत स्व सहायता समूह पी.एम. स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना हितग्राहियों का अनुभव साझा करने हेतु मंच पर भाषण हुए तथा सम्मान समारोह एवं क्वीज प्रतियोगिता एवं समस्त योजनाओं के हितग्राहीयों को मुख्य अतिथि द्वारा लान वितरण किए जाने एवं कार्यक्रम में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति तथा बक्तव्य से कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु आभार व्यक्त किया जाकर कार्यक्रम का समापन किया गया है। उक्त दोनों कार्यक्रमों के दौरान वार्ड क्र 02, 03, 04, 26, एवं 27 तथा वार्ड क्रमांक 01,05,06,07 एवं 28 के हितग्राहियों सहित कुल 2626 व्यक्ति उपस्थित रहे जिनमें से कुल 1463 लोगों को लाभान्वित किया गया एवं शासन की विभिन्न योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी से अवगत कराया गया । उपरोक्त कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति नीतू, यादव, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नवनीत पाण्डेय, विधायक प्रतिनिधि महेन्द्र यादव, मण्डल अध्यक्ष भाजपा रोहित गौर, नगर महामंत्री भाजपा पूनम मेषकर, संबंधित वार्ड पार्षद- श्रीमति प्रेमा पंकज पाण्डेय, श्रीमति नयना सोनी, श्रीमति लीला बसंत सैनी, चन्द्रमोहन सिंह परिहार बंटी परिहार , राहुल गौर, श्रीमति बिंदिया माँझी, श्रीमति कंचन चौकसे , श्रीमति रेखा यादव, श्रीमति सिमरन अभिषेक रैकवार सहित अन्य गणमान्य नागरिक, वार्ड से संबंधित हितग्राहीगण, नगर पालिका के श्रीमति प्रतिमा बेलिया, श्रीमति आयुषी रिछारिया, सिटी मिशन मैनेजर श्रीमति दिव्या मिश्रा,हरीश गोस्वामी, गौरव वर्मा, सुनील राठौर सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

आगामी लोकसभा चुनाव के तहत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने सौंपे दायित्व

सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन करें: कलेक्टर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले में आगामी लोकसभा चुनाव 2024 में होना संभावित है। निर्वाचन संबंधी पूर्व तैयारियों के प्रयोजन से जिले में पदस्थ विभागीय अधिकारियों के मध्य निर्वाचन कार्य का विभाजन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री सोनिया मीना ने किया है। उन्होंने नियुक्त नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारियों से अपेक्षा की है कि वे समय-समय पर भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश तथा जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार कार्य संपादित करे। इस संबंध में अधिकारीगण जिला निर्वाचन कार्यालय से मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। इसी क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर सुश्री मीना ने राष्ट्रीय स्तर मास्टर ट्रेनर्स पंकज दुबे के मार्गदर्शन में जिला एवं विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स नियुक्त कर सर्वसंबंधितो को आदेशित किया है कि वे निर्वाचन कार्यालय नर्मदापुरम से समन्वय स्थापित कर विभिन्न प्रशिक्षणों में प्रशिक्षण प्रदान करना सुनिश्चित करें।

राष्ट्रीय स्तर के मास्टर ट्रेनर्स पंकज दुबे के मार्गदर्शन में जिला एवं विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स नियुक्त कर सर्वसंबंधितो को आदेशित किया

जिला निर्वाचन कार्यालय नर्मदापुरम से प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय स्तर मास्टर ट्रेनर्स पंकज दुबे के अलावा जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स 4 नियुक्त किये गये है। इसी तरह से विधानसभा सिवनीमालवा के लिए विधानसभा स्तरीय 15, विधानसभा क्षेत्र सिवनीमालवा के लिए 15, विधानसभा क्षेत्र होशंगाबाद, सोहागपुर एवं पिपरिया के लिए 15-15 मास्टर ट्रेनर्स नियुक्त किये गये हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री सोनिया मीना ने उक्त समस्त जिला एवं विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स को आदेशित किया है कि वे नोडल अधिकारी प्रशिक्षण प्रबंधन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम सोजान सिंह रावत के मार्गदर्शन एवं नियंत्रण में प्रशिक्षण कार्यक्रम देना सुनिश्चित करें। इस कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही न हो यह सुनिश्चित किया जाए।

दिव्यांगजनो के लिए आरक्षित पदों की पूर्ति की तिथि बढ़ी

नर्मदापुरम। दिव्यांगजनो के लिए आरक्षित पदों की पूर्ति Walk-in-interview के माध्यम से किये जाने के लिए पूर्व में समयीसीमा 31 दिसम्बर 2023 निर्धारित थी। अपर कलेक्टर विकास एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सोजान सिंह रावत ने उक्त जानकारी देते हुए बताया है कि अब उक्त तिथि बढ़ाई गई है, जिसके अनुसार अब दिव्यांगजनो के लिए आरक्षित पदों की पूर्ति Walk-in-interview के माध्यम से 31 दिसम्बर 2024 तक की जा सकेगी। सोजान सिंह रावत ने जिले के समस्त कार्यालय प्रमुखों को उक्ताशय अनुसार दिव्यांगजनो के लिए आरक्षित रिक्त पदों की पूर्ति की कार्यवाही समयसीमा में करने के निर्देश दिए हैं।

जिले के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में कल कलस्टर स्तर पर लगेंगे समझौता समाधान 'न्याय आपके द्वार' शिविर

रायसेन, दोपहर मेट्रो

जिले में समझौता समाधान ''न्याय आपके द्वार'' योजना अंतर्गत 24 फरवरी को जिले के सभी विकासखण्डों तथा नगरीय निकाय अंतर्गत कलस्टर स्तर पर आयोजित किए जाने वाले शिविरों में अधिक से अधिक विवादों, प्रकरणों का आपसी सहमति से निराकरण कराया जाएगा। कलेक्टर अरविंद दुबे ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि ऐसे नागरिक जिनका राजस्व, पुलिस, विद्युत, वन आदि से संबंधित विवाद लंबित हैं, वह 24 फरवरी को आयोजित किए जा रहे समझौता समाधान शिविर में अपने विवादों का आपसी समझौते से निराकरण कराएं। कलेक्टर श्री दुबे द्वारा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि पक्षकारों को भी अपने विवादों का ''न्याय आपके द्वार'' योजना में निराकरण करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए शिविरों में अधिक से अधिक विवादों का निपटारा कराया जाए।

राजस्व, पुलिस, वन तथा विद्युत से संबंधित छोटे-छोटे विवाद जो ग्रामीण स्तर ही निराकृत किए जा सकते हैं। ''न्याय आपके द्वार'' योजना में ऐसे सभी विवादों, समझौता योग्य प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। जिले की सभी 521 ग्राम पंचायतों तथा 12 नगरीय निकायों में कलस्टर पर समझौता समाधान शिविरों के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारियों का संयुक्त गठित किए गए हैं। जो शिविर के दौरान प्राप्त आवेदनों तथा विवादों का निराकरण कराएंगे। इनके अतिरिक्त विकासखण्ड स्तर पर गठित लेवल 02 स्तर दल द्वारा इन शिविरों का मॉनीटरिंग की जाएगी। लेवल 02 स्तर पर गठित दलों के प्रभारी संबंधित एसडीएम तथा तहसील मुख्यालय पर तहसीलदार को बनाया गया है।

स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने दी रंगारंग प्रस्तुतियां

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

नगर के नर्मदा किड्स वैली स्कूल में ग्रेजुएशन सेरेमनी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें स्कूली छोटे-छोटे बच्चों ने अपनी मनमोहक रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जिसकी सभी ने सराहाना की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि न्यायाधीश श्रीमती शाहंगी दुग्गल,एसडीएम प्रमोद सिंह गुर्जर, स्कूल के डायरेक्टर विजय अग्रवाल, श्रीमती सरोज अग्रवाल की उपस्थित मे कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस दौरान किड्स वेली के बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी किड्स वेली के बच्चों ने अपने इस कार्यक्रम की प्रस्तुति के अंतर्गत हमारे दैनिक जीवन के कुछ महत्वपूर्ण हिस्सों के बारे में अवगत कराया ,उसके बाद अवार्ड सेरेमनी का कार्यक्रम आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के बच्चों को मुख्य अतिथियों के द्वारा अवार्ड देकर उन्हें सम्मानित किया गया। सीनियर के सभी बच्चों को ग्रेजुएशन सर्टिफिकेट देकर उनके अग्रिम उज्जवल भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी गई।

मेट्रो एंकर — 6 माह पहले स्वागत द्वार के नाम से निकाली राशी ,केवल गड्दे खुदे

गांव के विकास के नाम पर हो रहा पंचायतों में भ्रष्टाचार!

संतोष सिंह चंदेल, सिवनी मालवा

महात्मा गांधी की ग्राम स्वराज योजना मैं उन्होंने कहा था कि भारत के सच्चे दर्शन करना है तो भारत को गावो में देखा जा सकता हैं। उनकी परिकल्पना आज धीरे-धीरे भ्रष्टाचारियों की भेंट चढ़ती जा रही है। ग्राम पंचायत में सरपंच सचिव और रोजगार सहायकों द्वारा किस प्रकार से शासकीय राशियों का भ्रष्टाचार किया जा रहा है आज हम को बताते हैं इसका एक जीता जागता उदाहरण ऐसा ही मनमाने तरीके से अनियमितता करने का एक मामला सामने आया है। सिवनी मालवा जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत नाहरकोला में सरपंच, सचिव और ग्राम रोजगार सहायक ने ग्राम पंचायत नाहरकोला में लगभग 10 माह पूर्व विधायक निधि से ग्राम पंचायत में लगने वाले स्वागत द्वार के लिए 2 लाख रूपये की राशि स्वीकृत हुई थी। जिसकी पहली किश्त ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव के द्वारा दो बार में निकाली गई। जिसमें एक बार 25 सितम्बर 2023 को 90600 रूपये निकाले गए तथा 30 सितम्बर 2023 को 8000 रुपये की राशि निकाली गई। लेकिन आज लगभग 6 माह बीतने के बाद में भी स्वागत द्वार के नाम पर वहां पर सिर्फ गड्ढे खुदे हुए हैं। जो भारी भ्रष्टाचार की ओर इशारा कर रहे हैं ग्रामीणों का तो यह तक कहना है की हमारी पंचायत में अगर 10 साल के विकास कार्यों की जांच करते हैं तो उसमें भारी भ्रष्टाचार सामने आने से भी इनकार नहीं किया जा सकता है।

पहले भी विवादित रहा है सचिव

अभी वर्तमान में नाहरकोला कला में स्वागत द्वार की राशि का आहरण करने वाले सचिव नर्मदा प्रसाद जिनोरिया का ग्राम पंचायतो मैं विकास कार्य मैं भ्रष्टाचार को लेकर काफी चर्चाओं में रहने वाले सचिव माने जाते हैं। पहले भी इनके द्वारा ग्राम सूरजपुर में झंडा वंदन को लेकर अनियमिताएं सामने आई थी इनके द्वारा झंडा वंदन के समय राष्ट्रध्वज जमीन पर आने का वीडियो भी सोशल मीडिया में जमकर वायरल हुआ था। जिसकी जांच हुई और जांच में इनको पंचायत से हटा दिया गया था।

विधायक निधि से इन ग्राम पंचायतो को मिली है राशि

सिवनी मालवा की ग्राम पंचायत में स्वागत द्वार के लिए विधायक निधि से 2 लाख रुपए की राशि सन 2020,21,22,23 में ग्राम पंचायत नाहरकोला, मुंडियाखेड़ी, गुराडियाजाट, हिरणखेड़ा, बूनडाराकला, राजोराजाट, खूटवासा, सातवासा, सोमलवाडा, बांकाबेडी, बनाडा, चतरखेड़ा, भामेडी, निपानिया, मैं स्वीकृत की गई है अब इन ग्राम पंचायतो में स्वागत द्वार लगे हैं या नहीं लगे हैं यह भी एक जांच का हिस्सा है।

पहले के सीईओ पर भी है गंभीर आरोप

भ्रष्टाचार की बात खुली है तो यहां पर यह बताना जरूरी है सिवनी मालवा जनपद पंचायत में पूर्व में भी जनपद पंचायत के लेखपाल के ऊपर करोड़ों रूपये के गबन के मामले में सिवनी मालवा थाने में एफआईआर दर्ज है। साथ ही पूर्व जनपद पंचायत सीईओं दुर्गेश कुमार भूमरकर पर भी गबन के मामले में विशेष पुलिस स्थापना लोक आयुक्त कार्यालय द्वारा जांच की जा रही है।

इनका कहना है

स्वागत द्वार के नाम पर ग्राम पंचायत नाहरकोला कला मे स्वागत द्वार के लिए 2 गड्ढे कराये गए हैं ग्राम पंचायत द्वारा स्वागत द्वारा के लिए विधायक निधि से मिली राशि की पहली किश्त निकाली गई है। जबकि लगभग 6 माह बीतने के बाद भी स्वागत द्वार नहीं लगाया गया है। यदि कहीं से स्वागत द्वार बनवाया भी जा रहा है तो भी ग्राम पंचायतों में अग्रिम भुगतान किये जाने का कोई प्रावधान नहीं है। ग्राम पंचायत सचिव को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है अनियमितता के मामले में जांच के लिए टीम गठित की गई है। मामला गंभीर है जांच के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

***श्रुती चौधरी,** जनपद पंचायत सीईओ सिवनी मालवा*

मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत खाद्य पदार्थों की सैम्पलिंग व प्रभावी जांच जारी

विदिशा। कलेक्टर उमाशंकर भार्गव द्वारा दिए निर्देशों के अनुपालन में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 विनियम 2021 के तहत सघन जांच पड़ताल अभियान संचालित किया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं उनके सहयोगियों द्वारा लगातार की जा रही जांच पड़ताल का असर शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में दिखने लगा है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, निर्माण संभाग क्रमांक-1, राजधानी परियोजना प्रशासन, लो.नि.वि., ई-5, अरेरा कालोनी, भोपाल

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर उपलब्ध है :-

स. क्र.	टेन्डर नं.	निविदा क्र. एवं दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	निविदा प्रपत्र ऑनलाईन विक्रय, डाउनलोड की अंतिम तिथि
1	2024_ CPA_ 333988	125/SAC dt. 16.02.24	भोपाल स्थित (1) निजामुद्दीन कालोनी से जे.के. रोड (2) भेल गेट क्र.1 भरत नगर से सोनागिरी (3)भरत नगर से छत्रसाल नगर फेस-2 (4) जे.के. रोड से स्मार्ट स्मार्ट कालोनी (5) जे.के. रोड से जुबली गेट भरत नगर रोड व्हाया भवानी नगर (6) कल्पना नगर से रायसेन रोड एवं निकटवर्ती मार्गो का बी.टी. रिन्युअल कार्य।	रु.176.51	रु. 176510.00	रु. 12,500.00	11.03.2024
2	2024_ CPA_ 333991	126/SAC dt. 16.02.24	मछली घर से पी.एच.क्यू. तिराहा भोपाल मार्ग का बी.टी. रिन्युअल का कार्य।	रु.112.36	रु. 112360.00	रु. 12500.00	-As Above-
3	2024_ CPA_ 333996	127/SAC dt. 16.02.24	कोलार रोड से शिर्डीपुरम भोपाल मार्ग का बी.टी. रिन्युअल का कार्य।	रु.79.25	रु. 79250.00	रु. 10000.00	-As Above-

उपरोक्त वेबसाईट से ऑनलाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेन्डर डोक्यूमेंट) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे। निविदा प्रपत्र क्रय, डाउनलोड एवं ऑनलाईन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 11.03.2024 सायं 5.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एनआईटी एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखी जा सकती है।

G-24598/23

कार्यपालन यंत्री,
निर्माण संभाग क्रमांक-1,
राजधानी परियोजना प्रशासन, लो.नि.वि., भोपाल

लापरवाही से हजारों लीटर टर पानी हो गया बर्बाद, जिम्मेदारों ने नहीं दिया ध्यान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

केथन डेम खाली होने के कारण वैसे ही पानी की कमी को देखते हुए दो दिन छोड़कर पानी की सप्लाई नगर पालिका परिषद के द्वारा शहर में की जा रही है ।दूसरी ओर नाला बनाने के लिए ठेकेदार के द्वारा पालीवाल कॉलोनी में लापरवाही से काम करते हुए बड़ी सप्लाई को भी तोड दिया इस वजह से उसमें से काफी देर तक हजारों लीटर पानी बर्बाद होता रहा। रहवासियों के नल भी तोड़ दिए गए जिसको काफी देर तक ठीक करने के लिए नगर पालिका परिषद से कोई नहीं पहुंचा इस वजह से यहां पर व्यर्थ में पानी बर्बाद हो गया सड़क पर पानी पानी दिखाई दे रहा था नाले के लिए खोदा गया गद्दा भी पानी से लबालब हो गया। काफी समय तक पानी बर्बाद होता रहा। रहवासियों ने बताया कि शिकायत के बाद भी नगर पालिका से काफी देर तक कोई नहीं आया। इस साल बूंद बूंद पानी के लिए नगर वासियों को संघर्ष भी करना पड़ेगा फिर भी नगर पालिका के जिम्मेदारों के द्वारा इस तरह की लापरवाही की जा रही है ।

बस स्टैंड पर अनियंत्रित ट्रक बिजली के खम्बे से टकराया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

गुरुवार को सुबह करीब 10 बजे सिरोंज गोल्डन ट्रांसपोर्ट कंपनी का एक ट्रक अनियंत्रित होकर लाइट के खंभे से टकरा गया। जिससे लाइट का खंबा टूट गया और एक दुकान की शटर भी क्षतिग्रस्त हो गई। बताया गया है कि जैसे ही ड्राइवर ने ट्रक स्टार्ट किया वैसे ही वो आगे बढ़ गया , ड्राइवर ट्रक कंट्रोल नहीं कर पाया। पत्रकार भवन के सामने से चलता हुआ ट्रक मार्ग को क्रॉस कर बिजली के खंभे आए टकरा गया। इसी मार्ग से पालीवाल कॉलोनी के लोग निकलते है, ओर कॉन्वेंट स्कूल के हजारों बच्चे भी। गनीमत रही कि ट्रक की चपेट में कोई नही आया वर्ना बड़ी दुर्घटना हो जाती।सिरोंज में ट्रांसपोर्ट नगर नहीं है। ट्रक रोड किनारे ओर बस स्टैंड पर यंहा वंहा खड़े रहते है। मोके पर पहुंचे सिरोंज थाने के ए एस आई परिहार ने कहा कि ट्रक वाले के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही करेंगे। जिसका नुकसान हुआ है वो थाने में शिकायत कर सकता है। उधर एम पी ई बी के अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर स्पॉट फाइन कर अपना नुकसान वसूल ट्रांसपोर्ट मालिक से वसूल लिया। साथ ही बताया की तत्काल नया खंभा खड़ाकर रहे है, पालीवाल कॉलोनी की लाइट 3 घंटे में चालू कर दी जाएगी। खंभे पर नेट की फाइबर लाइन भी बंधी थी, उसके नुकसान की भरपाई भी कर दी गई है।

नूरपुर के रहवासियों को जनपद सदस्य प्रतिनिधि ने दी पानी की मोटर

सिरोंज। प्रशासन के द्वारा तो पानी की समस्या के समाधान के लिए धरातल पर ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे। इस वजह से नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में पानी को लेकर त्राहि त्राहि मची हुई है । पिछले दिनों नूपुर के रहवासियों ने गांव में भीषण जल संकट की समस्या को लेकर जनपद सदस्य प्रतिनिधि पंडित प्रशांत पालीवाल के साथ तहसीलदार को ज्ञापन दिया था इसके बाद भी समस्या का समाधान प्रशासन के द्वारा नहीं करवाया गया। ग्रामीणों की समस्या को दृष्टिगत रखते हुए जनता सदस्य प्रतिनिधि पंडित प्रशांत पालीवाल ने 18000 की लागत से पानी की मोटर ग्रामीणों को उपलब्ध कराते हुए कहा कि इसकी मदद से ग्रामीणों की समस्या काफी हद तक दूर होगी वैसे इस काम को पीएचई विभाग तथा ग्राम पंचायत को करवाना था पर उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया तो श्री पालीवाल ने आगे बढ़कर कदम उठाया इसके बाद ग्रामीणों के चेहरे पर भी खुशी देखने को मिली।

सागर लोकसभा सीट जितने के लिए महिलाओं ने कसी कमर: माधवी माथुर

सिरोंज। लोकसभा चुनाव में भाजपा को जितने के लिए अभी से जोर-जोर से तैयारी की जा रही है । वहीं लोकसभा के लिए विधानसभा प्रभारी श्रीमती माधवी संजीव माथुर के साथ जिला पंचायत उपाध्यक्ष दरयाब सिंह कुर्मी , मंडल अध्यक्ष झार सिंह दांगी पूरी टीम गुरुवार को बैठक में शामिल होने की रवाना हुए सागर रवाना हुए इससे पहले लोकसभा के लिए विधानसभा प्रभारी श्रीमती माधवी माधव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथ मजबूत करने के लिए भाजपा कार्यकर्ता पूरी ताकत से जुड़े हुए महिलाओं ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार पर प्रधानमंत्री बनने के लिए ठन ली है । जब से मोदी ने देश की बागडोर संभाली है तब से विकास तेजी से हो रहा है। हर वर्ग को लाभ मिल रहा है। भाजपा ने सभी को साथ लेकर काम करती है।

उमरे पर जाने वाले हाजियों का माला पहनकर किया स्वागत

सिरोंज । समाजसेवी और एडवोकेट शोएब खान के निवास पर उमरे पर जाने वाले वाले हाजियों का स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे पूर्व पार्षद शफीक खान उर्फ भूरा भाई के पुत्र अशरफ खान फसी खान जुनैद खान जो अगले माह हज यात्रा पर जाएंगे इनका हार माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान शहर के अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

पिछले तीन वर्षो से बीएमओ से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तक थी मामले की जानकारी लेकिन कार्यवाही नहीं

बीसीएम संध्या जैन को लोकायुक्त टीम ने 7 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा

कार्यवाही के दौरान आशा कार्यकर्ताओं ने देखी गई खुशी

तीन-चार वर्षा से चल रहा था आशा कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि में लेन देन का खेल

लगभग 6 घण्टे तक चली लोकायुक्त टीम की कार्यवाही, सुपरवाइजर व आशा कार्यकर्ताओ से की गई पूछताछ

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शासकीय राजीव गांधी चिकित्सालय में पदस्थ बीसीएम संध्या जैन को भोपाल लोकायुक्त टीम ने 7 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा। ग्राम झूकरहोज की आशा कार्यकर्ता श्रीमति हरिबाई जाटव की शिकायत पर गुरूवार को दोपहर 12 बजें के आसपास लोकायुक्त की टीम सिरोंज के शासकीय राजीव गांधी चिकित्सालय पहुची और आशा कार्यकर्ताओ से 7 हजार रूपये की रिश्वत देते हुए बीसीएम संध्या जैन को घर दबोचा। उक्त मामले को लेकर 14 फरवरी को आशा कार्यकर्ता श्रीमती हरिबाई ने लोकायुक्त भोपाल को शिकायत की थी कि सिरोंज के राजीव गांधी अस्पताल में पदस्थ बीसीएम संध्या जैन मेरी व अन्य आशा कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि पिछले साल के नवंबर माह से नहीं निकाली रही है। बीसीएम वेतन डालने के बदले में तीन से चार हजार रुपए रिश्वत देने के लिए दवाब बना रही है। वही लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा लोकायुक्त निरीक्षक रजनी तिवारी,डीएसपी वीरेन्द्र सिंह,निरीक्षक उमा कुशवाह,प्रधान आरक्षक रामदास कुर्मी,राजेंद्र पावन,आरक्षक मनमोहन साहू,हेमेंद्र पटेल सहित लगभग 9 सदस्य टीम सिरोंज अस्पताल पहुची। वही संध्या जैन के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 9 के अंतर्गत कार्रवाई की गई है उक्त मामले में और भी लोगों से पूछताछ की जाएगी।

यदि सही से जांच हो तो निकल सकता है बडा घोटाला शासकीय राजीव गांधी चिकित्सालय के अंतर्गत 286 आशा कार्यकर्ता कार्यरत है जिसमें से 280 ग्रामीण क्षेत्रो में एंव 6 कार्यकर्ता शहरी क्षेत्र में कार्य कर रही है। इनका कार्य देखने के लिए 32 सुपरवाईजर काम करती है। आशा कार्यकर्ता जो फील्ड में काम करती है उन्हें 6 हजार रूपये तो मानदेय मिलता ही है। इसके अलावा अतिरिक्त टीकाकरण, एलटीसी, बच्चों का पूर्ण टीकाकरण,एनआरसी मलेरिया स्लाइट के लिए भी आशा कार्यकर्ताओ को शासन द्वारा प्रोत्साहन राशि दी जाती है। साथ ही आशा कार्यकर्ताओ द्वारा जो कार्य किया जाता है उक्त कार्यो की रिर्पोट सुपरवाइजर द्वारा बीसीएम को सौपी जाती है। उस रिर्पोट के आधार पर आशा कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहन राशि दी जाती है। प्रत्येक माह एक आशा कार्यकर्ता का 10 से लेकर 15 हजार रूपये तक का प्रोत्साहन राशि का बिल बनता है। वही यह बिल बीसीएम द्वारा पास किए जाता है तब जाकर उक्त प्रोत्साहन राशि आशा कार्यकर्ताओ को मिलती है। कैसे चलता है यह खेल प्रत्येक आशा कार्यकर्ता को प्रत्येक माह 10 से 15 हजार रूपये प्रोत्साहन राशि का भुगतान होता है। जब आशा कार्यकर्ता अपने प्रोत्साहन राशि के भुगतान के लिए बीसीएम के पास जाती है तो तब बीसीएम द्वारा आशा कार्यकर्ताओ से कहा जाता है कि आप सुपरवाइजर से बात करो। फिर भुगतान के बीच में सुपरवाइजर द्वारा आशा कार्यकर्ता से भुगतान को लेकर बात होती हैं। वही इसी खेल में बीसीएम संध्या जैन का सुपरवाइजरों से साथ लेनदेन को लेकर बात नही बनी तो फिर संध्या जैन ने सीधे आशा कार्यकर्ताओं से पैसे के लेनदेन को लेकर काम शुरू कर दिया।

बीसीएम के करीबियों पर कार्रवाई की मांग

आशा कार्यकर्ताओं ने बताया कि इस पूरे मामले को अंजाम केवल बीसीएम नहीं और भी लोग शामिल हैं कई सुपरवाइजर हैं जो पैसा लेकर बीसीएम तक भेजते थी इस घोटाले में शामिल अन्य लोगों पर यदि कार्रवाई नहीं की गई तो आगे नौकरी करना हम सब का मुश्किल होगा । आशा कार्यकर्ताओं ने बताया कि हर एक सेक्टर में दलाल बनाकर रखें जो चंदा वसूली का काम करते हैं इस पूरे मामले की जांच हो और सब पर कार्रवाई होनी चाहिए ।

लोकायुक्त निरीक्षक बोली जांच जारी

ग्राम झूकरहौज में पिछले 2007 से आशा कार्यकर्ता का काम देख रही हरिबाई द्वारा लोकायुक्त भोपाल को शिकायत की गई थी कि आशा कार्यकर्ताओ को जो प्रोत्साहन राशि मिलती है और सरकार की तरफ से निधारित है कि जितने केस आशा कार्यकर्ता लाएगी उनता पैसा उन्हे मिलेगा। लेकिन पैसा निकालने की जो जिम्मेदारी है वह शासकीय राजीव गांधी में पदस्थ बीसीएम संध्या जैन द्वारा निकाला जाता है। वही आशा कार्यकर्ता का आरोप था कि जितने बार पैसा निकलना होता है उतनी बार मैडम 3 से 4 हजार रूपये की रिश्वत की मांग करती है। वही शिकायतकर्ता का कहना है कि इन्हें अभी भी नबम्बर माह से पैसा नही मिला है। जब यह अपने पैसे की बात करने के लिए गई कि हमारा पैसा निकल जाए तो मैडम ने इनसे तीन से चार हजार रूपये की मांग की। इनके साथ ही दो और आशा कार्यकर्ता है उनसे पैसे के लिए भी बीसीएम ने हरि बाई पर दबाव बनाया कि वह उन दोनो से चार - चार हजार रूपये दिलवाए। जब शिकायतकर्ता हरिबाई ने लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक भोपाल को शिकायत की तो लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में एक टीम बनाकर योजनाबद्ध तरीके से काम किया गया और बीसीएम संध्या जैन को 7 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया और जब बीसीएम के हाथ धुलवाए गए तो हाथ लाल हो गए। वही शिकायतकर्ता के कहना है कि सिरोंज ब्लॉक में 282 आशा कार्यकर्ता है जिनमें से ऐसी एक भी कार्यकर्ता ऐसी नही है जिन्हें मैडम परेशान न करती हूं। कार्यवाही के दौरान जो युवक आया था उसे हमने अपनी कस्टडी में ले लिया है और उसकी लोकल थाने से जानकारी लेकर पता करते है कि आखिर वह कौन है और कार्यवाही के दौरान क्यो आया था इसकी भी हम जांच कर रहें है।

'आप लोग चुप रहो,एक फोन में सब क्लियर हो जाएगा'!

लोकायुक्त की टीम की कार्रवाई के दौरान अस्पताल परिसर में उक्त मामले से जुड़े कई दलाल सक्रिय नजर आए बीसीएम संध्या जैन लोकायुक्त टीम की हिरासत में थी और दलाल पूरी सक्रियता के साथ काम कर रहे थे एक युवक आशा कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचा और बोला आप सब लोग चुप रहिए कोई शिकायत नहीं करो बस मैडम को एक फोन पर छुड़ा लेंगे दलाल कुछ और बोल पाता इससे पहले आशा कार्यकर्ताओं ने पड़कर लोकायुक्त टीम के हवाले कर दिया टीम ने पूछताछ के बाद युवक को तत्काल सिरोंज पुलिस हिरासत में थाने भेज दिया।

पोर्टल पर 15 हजार लेकिन मिल रहा 3 हजार

आशा कार्यकर्ताओं ने लोकायुक्त टीम से शिकायत करते हुए कहा कि पोर्टल पर हमारा वेतन 15 हजार दर्शाया जा रहा है मिलता केवल 3 हजार है आशा कार्यकर्ता यदि किसी भी तरह की कोई आपत्ति या शिकायत करती हैं तो बीसीएम मैडम द्वारा सीधा नौकरी से हटाने की धमकी दी जाती है यह आलम एक दो माह का नहीं पूरे 2 साल से यही सब चल रहा है आशा कार्यकर्ताओं ने बताया कि यदि सभी के अकाउंट की जांच की जाए तो करोड़ों रुपए के घोटाले का खुलासा होगा।

मुंह खोला तो खैर नहीं, मौके पर पहुंचे अधिकारी

गुरूवार को बीसीएम नें आशा कार्यकर्ताओं को बैठक के लिए बुलाया था बैठक तो एक बहाना था यही चंदा वसूली का खेल जारी था हैरान करने वाली बात तो यह है कि अस्पताल के दूसरे फ्लोर पर लोकायुक्त की टीम कार्रवाई को अंजाम दे रही थी तो वहीं बीसीएम के दलाल नीचे अस्पताल प्रांगण में आशा कार्यकर्ताओं को मुंह नहीं खोलने की हिदायत देकर धमका रहे थे खबर मिलने पर तत्काल लोकायुक्त टीम के 3 सदस्य आशा कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचे और धमकाने वाली सुपरवाइजर को हिरासत में लेकर पूछताछ की है।

लोकायुक्त की कार्यवाही के दौरान की कुछ झलकिया

1 -दोपहर 12 बजें के आसपास अस्पताल पहुची लोकायुक्त की टीम,शाम 6 बजें तक चली कार्यवही।

2 -भोपाल में थे बीएमओ,लोकायुक्त टीम ने प्रभारी बीएमओ को बुलाया तो जब प्रभारी बीएमओ आए तो टीम उन्हें देखकर दंग रह गई।

3 -कार्यवाही के दौरान एक युवक आया और जोर जोर से चिल्लाने लगा कि एक फोन पर मैडम को छुडा लेंगें।

4 -लोकायुक्त टीम ने युवक को हिरासत में लेकर सिरोंज पुलिस को सौपा।

5 -कार्यवाही के दौरान आशा कार्यकर्ताओं ने जाहिर की अपनी खुशी,बाटी मिठाई।

6 -लोकायुक्त की कार्यवाही के समय अस्पताल में पदस्थ कर्मचारी व डॉक्टर छिपते नजर आए। उन्हें डर था कि कही हमसे पूछताछ न हो जाए।

माघ पूर्णिमा पर होगा विशाल ब्राह्मण भोज

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शनिवार माघ शुक्ल पूर्णिमा पर राष्टीय परशुराम सेवा युवा वाहिनी एवं सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा बाबा अमरनाथ बर्फानी धाम ग्राम पिपलियाहट में विशाल ब्राह्मण भोज का आयोजन किया जाएगा।

जिसमें विशेष अतिथि के रूप में महामंडलेश्वर श्री महंत रामगोपाल दास वैष्णव जी ,रामानंद संस्कृत विद्यालय मल्हारगढ़ एवं महंत श्री 1008 पुरुषोत्तम दास जी महाराज आमझिर जटाशंकर भी शामिल होंगेसंगठन के जिला अध्यक्ष देवकीनंदन शर्मा ने समस्त कार्यकर्ताओं की ओर से समस्त ब्राह्मण बंधुओ से करबद्ध निवेदन किया है की क्षेत्र के सभी ब्राह्मण बंधु इस विशाल ब्राह्मण भोज को सफल बनाने में अपनी उपस्थिति अवश्य दर्ज कराएं एवं अन्य ब्राह्मण बंधुओ को अधिक से अधिक संख्या में आमंत्रित कर सहभागी बनाए। कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार हेतु बैठक का आयोजन भी रामलला सरकार मन्दिर में किया गया जिसमें ब्राह्मण महापंचायत के पूर्व अध्यक्ष महेश शर्मा , ऋषीकांत शर्मा ,शिवम शर्मा , द्वारका प्रसाद शर्मा , गौरव शर्मा आदि उपस्थित रहे।

शासकीय लाल बहादुर शास्त्री कॉलेज में मतदाता जागरुकता पर हुई कार्यशाला

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर के शासकीय लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार मतदाता जागरूकता से संबंधित कार्यशाला एवं परिचर्चा आयोजित की गई। आगामी लोकसभा निर्वाचन में मतदान प्रतिशत बढ़ाने एवं मतदाताओं में जागरूकता पैदा करने के लिए आयोजित कार्यशाला में महाविद्यालय के स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने अपने विचार रखे। परिचर्चा में देश के लोकतांत्रिक एवं संघीय ढांचे के बारे में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर लालचंद राजपूत ने विद्यार्थियों को केंद्रीय एवं राज्य स्तर पर कानून बनाने की प्रक्रिया को समझाया। उन्होंने कहा कि कानून बनाने के लिए सरकार की आवश्यकता होती है और सरकार प्रत्येक नागरिक के मत से निर्वाचित होती है। अतः समस्त नागरिकों को अपने मताधिकार का प्रयोग आवश्यक रूप से करना चाहिए। प्रोफेसर एस आर तिवारी ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संविधान के अनुरूप सभी वर्गों के नागरिकों को सम्मान पूर्वक न्याय मिले यह व्यवस्थापिका एवं कार्यपालिका का उत्तरदायित्व है । प्रोफेसर महेश भाबोर एवं डॉक्टर साधना कुमारी झा ने समस्त विद्यार्थियों को मताधिकार के प्रयोग के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में मतदाता जागरूकता से संबंधित भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी लघु फिल्म विद्यार्थियों को दिखाई गई। कार्यक्रम का संचालन ईएलसी प्रभारी प्रोफेसर संघ प्रिय गौतम ने किया । जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष शिवकुमार भार्गव ने मतदाता जागरूकता कार्यशाला आयोजित करने के लिए स्टाफ एवं विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर समस्त स्टाफ एवं बहु संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

सृष्टि रचयिता ब्रह्मा की जयंती पर निकला चल समारोह , झांकी रही आकर्षण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

गुरुवार को विश्वकर्मा समाज जनों के द्वारा बड़ी धूमधाम के साथ विश्वकर्मा भगवान की जयंती मनाई श्री जटाशंकर पर स्थित ब्रह्मा जी के मंदिर पर विधि विधान से पूजा अर्चना की तथा श्री छतरी नाका स्थित हनुमान मंदिर पर पूजा अर्चना के बाद भव्य शोभा यात्रा भी प्रारंभ हुई जिसमें भगवान विश्वकर्मा जी की आकर्षित रूप से झांकी सजाई गई अभी के लिए आकर्षण का केंद्र थी। 11 के बाद चल समारोह प्रारंभ हुआ डीजे के धुन पर बज रहे भक्ति भाव से बज रहे भजनों पर समाजजन युवा झूमते नाचते चल रहे थे। वहीं चल समारोह का जगह-जगह विभिन्न समाज जनों एवं समाज सेवी संगठनों के द्वारा फूलों की बारिश करके स्वागत किया गया। श्री जटाशंकर मंदिर पर पहुंचकर चल समारोह संपन्न हुआ जहां पर आरती के बाद कन्या भोज और भंडारा हुआ जिसमें प्रसादी ग्रहण करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण पहुंचे चल समारोह में नगर के अलावा ग्रामीण क्षेत्र से भी विश्वकर्मा समाज जन शामिल हुए।

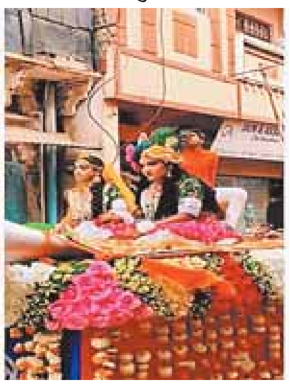

फिर कसौटी पर इंग्लैंड का बैजबॉल क्रिकेट

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

हार या जीत की परवाह किया बिना टेस्ट मैचों को अलग अंदाज यानी बैजबॉल क्रिकेट में अपना परचम लहराने वाली इंग्लैंड क्रिकेट टीम का एक और टेस्ट रांची में होगा। इंग्लैंड की टीम ने टेस्ट सीरीज की शुरुआत 1-0 की बढ़त से शुरू की थी। लेकिन अब सीरीज में टीम इंडिया ने 2-1 से बढ़त हासिल कर ली है। इंग्लैंड के पास अब आखिरी मौका है क्योंकि चौथा टेस्ट शुक्रवार से रांची में खेला जाना है और अगर मेहमान टीम यह टेस्ट गंवाती है तो टीम इंडिया 3-1 से अजेय बढ़त बना कर सीरीज अपने नाम कर लेगी। हैदराबाद में पिछड़ने के बाद विशाखापत्तनम में वापसी करने वाली रोहित सेना ने राजकोट के मैदान पर 434 रनों की ऐतिहासिक जीत हासिल करने के बाद टीम इंडिया ने कमाल कर दिया। के प्रमुख खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में टीम के गेंदबाज और बल्लेबाज शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। वैसे भी भारतीय टीम ने 12 साल से अपने घर में कोई भी टेस्ट सीरीज नहीं हारी है।टीम इंडिया ने 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ ही टेस्ट सीरीज में हारने के बाद से अपने घर में एक भी टेस्ट सीरीज नहीं गंवाई है।घरेलू मैदान पर टीम इंडिया की ताकत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसने घर में पिछले 49 टेस्ट मैचों में से सिर्फ 4 मैचों में शिकस्त खायी है। रांची में होने वाले टेस्ट के लिए अगर हम दोनों टीमों की एकादश पर गौर करें तो इंग्लैंड टीम ने अपने बल्लेबाजी क्रम में बिना छेड़खानी किये दोनों बदलाव गेंदबाजी में किये हैं।फिरकी में शोएब बसीर को रेहान की जगह शामिल करने की वजह टीम इंडिया के बांये हाथ के बल्लेबाजो के खिलाफ बेहतर प्रयोग की आस होगी, जयसवाल व जडेजा की दमदार बल्लेबाजी इंग्लैंड के लिए सबसे बड़ी समस्या बनी हुई है, जबकि तेज गेंदबाज मार्क वुड को आराम देकर रॉबिंसन को मौका दिया है। मतलब साफ है कि इंग्लैंड ने लगातार 2 टेस्ट मैचों की हार के बाद भी 4 विशेषज्ञ गेंदबाज के फार्मूले पर ही भरोसा जताया है। वहीं टीम इंडिया के एकादश चयन में बुमराह के विकल्प के तौर पर तेज गेंदबाज ही होगा या फिरकी सबसे बड़ा सवाल यही रहने वाला है।अगर हम भारतीय सरजमीं पर होने वाले टेस्ट मैचों में टॉस के किरदार की बात करें तो फिर ज्यादातर मौकों पर टॉस की भूमिका बॉस की ही रहती है। मौजूदा सीरीज में भी अब तक ऐसा ही नजारा देखने को मिला है,जहां टॉस विजेता ने ही मैच में फतह हासिल की है।मतलब साफ है कि आने वाले मैचों में भी टॉस का पहलू भी मैच में अहम रहने वाला है।भारत मे होने वाले सभी टेस्ट मैचों में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का ही चलन है।भले ही टॉस के मायने तभी सही साबित होते है जब मैच चौथी पारी तक चलता है,क्योंकि भारतीय सरजमीं पर आखिरी पारी खेलना हमेशा ही चुनौतीपूर्ण रहता है।खासतौर से जब आखिरी पारी का लक्ष्य 300 रनों से अधिक होता है।टीम इंडिया ने बुमराह को फिलहाल सिर्फ रांची टेस्ट में आराम देने की घोषणा के पीछे की वजह यह हो सकती है कि चयनकर्ताओं के जहन में भी इंग्लैंड टीम से किसी भी चमत्कार की अभी उम्मीद खत्म नहीं हुई है। राजकोट मैच में इंग्लैंड टीम को मिली हार के अंदाज से एक बात बिल्कुल साफ हो गयी है कि उनके टेस्ट मैच खेलने के नजरिए में कोई फर्क नहीं आया है।लगातार दो टेस्ट मैचों में मिली हार के बाद इंग्लैंड के कई पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों ने बैजबॉल पद्धति को निशाने पर लिया है।यही वजह रांची में होने वाले टेस्ट मैच में इंग्लैंड टीम की बैजबॉल क्रिकेट का असल टेस्ट होने वाला है।अब यह देखना दिलचस्प रहेगा कि मेहमान टीम रांची में होने वाले इस टेस्ट में पास होती है या फिर फेल।

रांची टेस्ट के पहले दिन लंच तक इंग्लैंड का स्कोर 117 रन पर 5 विकेट

जडेजा ने स्टोक्स का लिया विकेट, आकाश दीप को 3 विकेट; अश्विन को एक कामयाबी

रांची, एजेंसी

रांची टेस्ट के पहले दिन लंच तक इंग्लैंड ने पहली पारी में 5 विकेट गंवा दिए हैं। स्टेडियम में टीम का स्कोर महज 112 रन है। जो रूट 16 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। बेन स्टोक्स को रवींद्र जडेजा ने एलबीडब्ल्यू किया, इसी के साथ पहला सेशन खत्म हुआ। भारत से डेब्यू करने वाले तेज गेंदबाज आकाश दीप ने 3 विकेट लिए। उन्होंने जैक क्रॉले, बेन डकेट और ओली पोप को पवेलियन भेजा। रविचंद्रन अश्विन ने जॉनी बेयरस्टो को एलबीडब्ल्यू किया। बेयरस्टो ने 37 रन बनाए।

अश्विन के इंग्लैंड के खिलाफ सौ विकेट पूरे

रविचंद्रन अश्विन ने पहले सेशन में जॉनी बेयरस्टो को एलबीडब्ल्यू किया। इसी के साथ उनके इंग्लैंड के खिलाफ 100 विकेट पूरे हो गए। उनके इंग्लैंड के खिलाफ एक हजार टेस्ट रन भी पूरे हो चुके हैं। वह इंग्लैंड के खिलाफ 1000 रन के साथ 100 विकेट लेने वाले पहले ही भारतीय खिलाड़ी हैं। अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी 100 विकेट लिए हैं।

आकाश दीप ने टॉप ऑर्डर को पवेलियन भेजा, क्रॉले को 2 बार बोल्ड किया

डेब्यू टेस्ट में तेज गेंदबाज आकाशदीप ने इंग्लैंड के टॉप ऑर्डर को पवेलियन भेजा। उन्होंने बेन डकेट को कॉट बिहाइंड, ओली पोप को एलबीडब्ल्यूऔर जैक क्रॉले को बोल्ड किया। डकेट ने 11 और क्रॉले ने 42 रन बनाए। पोप खाता भी नहीं खोल सके। जैक क्रॉले 42 बॉल पर 42 रन बनाकर आकाश दीप का शिकार हुए। आकाश ने उन्हें पारी में दूसरी बार बोल्ड किया। इससे पहले चौथे ओवर में आकाश ने जब क्रॉले को बोल्ड किया था तो गेंद नो-बॉल निकली थी। दूसरी बार आकाश ने क्रॉले को 12वें ओवर में बोल्ड किया। गेंद गुड लेंथ पर टप्पा खाकर इन स्विंग हुई और स्टंप्स से टकरा गई। इंग्लैंड ने 57 रन के स्कोर पर अपने 3 विकेट गंवा दिए।

अश्विन ने लिया पहला विकेट, बेयरस्टो को किया आउट

रविचंद्रन अश्विन ने जॉनी बेयरस्टो के रूप में मैच में अपना पहला विकेट लिया। अश्विन ने 22वें ओवर की दूसरी बॉल लेग स्टंप पर फुलर लेंथ फेंकी। बेयरस्टो स्वीप करने गए लेकिन बॉल उनके पैड्स पर लगी। भारत ने एलबीडब्ल्यू की अपील लेकिन अंपायर ने नॉटआउट का फैसला सुनाया। अश्विन के कहने पर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने रिव्यू लिया। रिप्ले में नजर आया कि बॉल मिडिल स्टंप पर लग रही है। अंपायर ने अपना फैसला बदला और बेयरस्टो को 38 रन के स्कोर पर पवेलियन लौटना पड़ा।

पहले सेशन में इंग्लैंड ने गंवाए 5 विकेट

रांची में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी। ओपनर्स ने तेजी से 47 रन जोड़ लिए। बेन डकेट 11 रन बनाकर आकाश दीप का शिकार हुए। यहां से आकाश ने ओली पोप और जैक क्रॉले को भी पवेलियन भेज दिया। 57 रन पर टीम ने 3 विकेट गंवा दिए। जॉनी बेयरस्टो और जो रूट ने फिर 52 रन की पार्टनरशिप कर इंग्लैंड को संभाला और स्कोर 100 रन के पार पहुंचा दिया। सेशन खत्म होने के 15 मिनट पहले अश्विन ने बेयरस्टो को एलबीडब्ल्यू कर दिया। उनके बाद जडेजा ने स्टोक्स को एलबीडब्ल्यू किया और पहला सेशन खत्म हो गया। टीम ने 24.1 ओवर बैटिंग कर 112 रन बनाए। बता दें जो रूट और जॉनी बेयरस्टो के बीच फिफ्टी पार्टनरशिप हो चुकी है। बेयरस्टो ने रविचंद्रन अश्विन के खिलाफ चौका लगाकर हाफ सेंचुरी पार्टनरशिप पूरी कर ली। दोनों के बीच 52 रन की साझेदारी हुई। इंग्लैंड ने 20वें ओवर में अपनी सेंचुरी पूरी कर ली। जॉनी बेयरस्टो ने रविचंद्रन अश्विन के खिलाफ सिंगल लेकर टीम का स्कोर 100 रन तक पहुंचाया। इस दौरान उनके साथ जो रूट भी क्रीज पर मौजूद रहे।

बेंगलूरु और दिल्ली में होंगे मुकाबले

वीमेंस प्रीमियर लीग का दूसरा सीजन आज से होगा शुरू

नईदिल्ली, एजेंसी

वीमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के दूसरे सीजन का आज आगाज होगा। पहला मैच डिफेंडिंग चैंपियंस मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच बेंगलुरु में खेला जाएगा। आज से शुरु होने वाले टूर्नामेंट के सभी मुकाबले बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम और दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में ही खेले जाएंगे। वहीं, फाइनल17 मार्च को दिल्ली में ही खेला जाएगा। पिछली बार पूरा सीजन मुंबई में हुआ था, लेकिन इस बार वहां एक भी मैच नहीं होना है। इस सीजन टीमों की संख्या में बदलाव नहीं, लेकिन मुंबई में कोई मैच नहीं पहले सीजन की तरह ही इस सीज 5 टीमें कुल 22 मैच खेलेंगी। ग्रुप स्टेज के अपने 8 मैचों में सभी टीमें आपस में दो-दो बार भिड़ेंगी। लीग राउंड के बाद टॉप पर रही टीम सीधे फाइनल में पहुंचेगी, जबकि दूसरे और तीसरे नंबर की टीम फाइनल में जगह बनाने के लिए एकमात्र प्लेऑफ मैच में भिड़ेंगी।

मुंबई इंडियंस

भारतीय विमेंस टीम की कप्तान और ऑलराउंडर हरमनप्रीत कौर डब्ल्यूपीएल की मौजूदा चैंपियन की कप्तान हैं। हरमनप्रीत के नेतृत्व में मुंबई इंडियंस ने पहले सीजन का खिताब जीता। मुंबई इंडियंस ने एक बार फिर हरमनप्रीत कौर पर दांव लगाया है और वह आगामी सीजन में भी मुंबई इंडियन फ्रेंचाइजी का नेतृत्व करेंगी। मुंबई इंडियंस अपना खिताब बचाने उतरेगी।

रॉयल चैलेंजर्स

सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना महिला प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर का नेतृत्व करेंगी। स्मृति मंधाना ने 2023 में महिला प्रीमियर लीग के पहले सीजन में भी टीम की कप्तानी की थी। पांच टीमों की टेबल में आरसीबी चौथे स्थान पर रही। रॉयल्स चैलेंजर्स अपने आठ लीग मैचों में से केवल दो ही जीत सका था।

मेट्रो बाजार

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का मार्केट कैप 2 लाख करोड़ रुपए के पार हुआ

नईदिल्ली, एजेंसी

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के निवेशकों के चेहरे खिले हुए हैं क्योंकि इसके शेयरों ने रिकॉर्ड हाई लेवल छू लिया है और मार्केट कैप भी 2 लाख करोड़ से ज्यादा हुआ है। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज में आज 12 फीसदी की जोरदार तेजी के साथ कारोबार हो रहा है. कंपनी ने आज नई ऊंचाइयों को छू लिया है और पहली बार इसका मार्केट कैपिटलाइजेशन 2 लाख करोड़ रुपये के पार निकल गया है. जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को जियो फाइनेंस भी कहते है और इसका मार्केट कैप 2.16 लाख करोड़ रुपये पर आ चुका है. आज ही जियो फाइनेंस के शेयर ने 347 रुपये की रिकॉर्ड ऊंचाई दिखाई है और ये इस शेयर का ऑलटाइम हाई लेवल भी है. इस समय की बात करें तो इसके शेयर 12 फीसदी की जोरदार उछाल के साथ 339.20 रुपये प्रति शेयर पर ट्रेड कर रहे हैं. जियो फाइनेंस की लिस्टिंग 21 अगस्त 2024 को हुई थी और ये एनएसई पर 262 रुपये जबकि बीएसई पर 265 रुपये पर लिस्ट हुए थे. रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भी बनाया ऑलटाइम हाई-एमकैप 20 लाख करोड़ रुपये के पार रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर ने भी आज अपना नया हाई बनाया है और इस शेयर में 2988.80 रुपये के ऐतिहासिक लेवल देखे गए हैं. शेयर आज 2979 रुपये पर खुला था और बाद में और चढ़कर 2988.80 के नए शिखर पर पहुंच गया है. इसी तेजी के दम पर रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 20 लाख करोड़ रुपये के पार निकल गया है. आरआईएल का मार्केट कैप 20.13 लाख करोड़ रुपये पर आ गया है।

54,760 टन प्याज एक्सपोर्ट करने की परमिशन मिली

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने व्यापारियों को प्याज एक्सपोर्ट करने की परमिशन दे दी है। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने न्यूज एजेंसी से कहा, %व्यापारी तत्काल प्रभाव से चार देशों में 31 मार्च तक 54,760 टन प्याज एक्सपोर्ट कर सकेंगे। बांग्लादेश को 50000 टन, मॉरीशस को 1200 टन, बहरीन को 3000 टन और भूटान को 560 टन प्याज के निर्यात की अनुमति दी है।% सिंह ने कहा, %यह निर्णय विदेश मंत्रालय की सिफारिश के बाद लिया गया है।% इससे पहले प्याज के एक्सपोर्ट पर लगी रोक को हटाने की बात से इनकार किया था। उन्होंने कहा था, %प्याज की कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए इसके निर्यात पर पहले से घोषित समय सीमा 31 मार्च 2024 तक बैन जारी रहेगा।% दरअसल, केंद्र सरकार ने प्याज की बढ़ती कीमतों के बीच 8 दिसंबर 2023 को प्याज के एक्सपोर्ट पर रोक लगा दी थी। इसके बाद हाल ही में प्याज के एक्सपोर्ट पर बैन को हटाने की खबर आई थी। इसके बाद देश की सबसे बड़ी थोक प्याज मंडी, लासलगांव में

19 फरवरी को इसका थोक बिक्री मूल्य 40.62त्न बढ़कर 1,800 रुपए प्रति क्विंटल हो गया, जो 17 फरवरी को 1,280 रु. प्रति क्विंटल था। इसके बाद सिंह ने उन खबरों का खंडन किया था। लेकिन, अब चार देशों में एक्सपोर्ट करने की परमिशन दे दी गई है। प्याज के एक्सपोर्ट पर बैन 31 मार्च के बाद भी जारी रह सकता है। क्योंकि, अगले महीने लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होगा और मई महीने में मतदान होने की संभावना है। ऐसे में सरकार महंगे प्याज का जोखिम नहीं लेगी। रबी सीजन में प्याज का प्रोडक्शन कम होने की आशंका है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

शादी के बाद अभिनेत्री भाग्यश्री ने फिल्मों से बना ली थी दूरी

एक्टर सलमान खान के साथ डेब्यू फिल्म कर बनी थीं स्टार

भाग्यश्री हिंदी सिनेमा की मशहूर अदाकारा हैं। अभिनेत्री ने पहली फिल्म 'मैंने प्यार किया' में दमदार अभिनय कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था। डेब्यू फिल्म से रातोंरात स्टार बनने वालीं भाग्यश्री का आज जन्मदिन है। भाग्यश्री आज भले ही फिल्मों से दूर हो, लेकिन सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस से जुड़ी रहती हैं। महाराष्ट्र में जन्मी भाग्यश्री शाही परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता विजय सिंहराव माधवराव पटवर्धन सांगली के राजा हैं। तीन बहनों में भाग्यश्री सबसे बड़ी हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत अमोल पालेकर के सीरियल 'कच्ची धूप' से की थी।

'मैंने प्यार किया में' भागयश्री ने सलमान खान से तीन गुनी फीस चार्ज की थी

भाग्यश्री ने वर्ष 1989 में बड़े पर्दे का रुख किया था। उन्होंने सूरज बड़जात्या निर्देशित फिल्म मैंने प्यार किया से बॉलीवुड इंडस्ट्री में कदम रखा है। इस फिल्म में भाग्यश्री के अपोजिट सलमान खान को कास्ट किया गया था। फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यू का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला था। रिपोर्ट्स के अनुसार, भागयश्री ने सलमान खान से तीन गुनी फीस चार्ज की थी। बताया जाता है कि इस फिल्म के लिए भाग्यश्री को एक लाख रुपये का भुगतान किया था। अभिनेत्री ने बिजनेसमैन हिमालय दासानी के साथ शादी के बंधन में बंध गईं और शादी के बाद उन्होंने सिर्फ तीन फिल्मों में ही काम किया। मात्र 19 साल की उम्र में ही उन्होंने शादी करने का फैसला कर लिया जो उनके करियर के लिए अच्छा साबित नहीं हुआ। भाग्यश्री ने हिंदी के अलावा भोजपुरी, मराठी और तेलुगु फिल्मों में भी अभिनय किया है। इन फिल्मों से भाग्यश्री वो चार्म नहीं बिखेर पाईं, जो उनकी पहली फिल्म में दिखा। उनके बेटे अभिमन्यु दासानी भी फिल्मों में कदम रख चुके हैं। भाग्यश्री की एक बेटी भी है, जो बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं।

एक्टर अजय देवगन का 10-12 बरसों तक हुआ था सुपरनैचुरल शक्तियों से सामना!

अजय देवगन की फिल्म 'शैतान' का ट्रेलर रिलीज होने के बाद सोशल मीडिया पर अजय देवगन ट्रेंड कर रहे हैं. फिल्म का ट्रेलर कुछ इस कदर रोमांच पैदा कर रहा है कि लोग अभी से इसकी रिलीज डेट यानी 8 मार्च का इंतजार कर रहे हैं. फिल्म में अजय के साथ ज्योतिका और आर माधवन भी हैं. ट्रेलर में देखकर लगता है कि आर माधवन इस बार फिर से कुछ अलग करके चौंकाने वाले हैं. अजय देवगन फिल्म की पूरी टीम के साथ सुपरनैचुरल फिल्म शैतान के प्रमोशन में जुटे हुए हैं. इस दौरान अजय ने अपनी जिंदगी से जुड़ा चौंकाने वाला खुलासा भी किया है. उन्होंने ट्रेलर लॉन्च के दौरान बताया कि उन्होंने खुद ऐसी सुपरनैचुरल चीजों का अनुभव किया है. उन्होंने कहा कि उन्होंने करियर के शुरुआती दिनों में ऐसी चीजों को एक्सपीरियंस किया है. अजय देवगन ने ट्रेलर लॉन्च के दौरान मीडिया बातचीत में कहा, करियर के शुरुआती 10-12 सालों में उन्हें सुपरनैचुरल ताकतों का एहसास होता था. उन अनुभवों में क्या होता था मैं इसमें नहीं पडूंगा लेकिन वो काफी परेशान करने वाले होते थे. अजय देवगन ने बातचीत में ये भी कहा कि काला जादू जैसी चीजें दुनिया के हर धर्म में बताई गई हैं. अजय ने कहा उन्हें हॉरर जॉनर काफी पसंद है. और दुनियाभर के दर्शक इस जॉनर से कनेक्ट होते हैं क्योंकि हर धर्म में काले जादू का जिक्र है. बता दें कि इसके पहले 'काल' और 'भूत' जैसी सुपरनैचुरल पॉवर पर बनी फिल्मों में नजर भी आ चुके हैं. फिल्म का ट्रेलर देखकर साफ पता चलता है कि ये फिल्म काले जादू पर बेस्ड है।

कार्तिक आर्यन के मोनोलॉग पर तृप्ति ने दिया था करारा जवाब

बॉलीवुड एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. संदीप रेड्डी वांगा की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'एनिमल' में अपने छोटे से रोल से एक्ट्रेस ने पूरी लाइमलाइट चुरा ली थी. इस फिल्म ने तृप्ति को रातों रात स्टार बना दिया. इन सबके बीच फैंस ने तृप्ति डिमरी को नेशनल क्रश का टैग दे दिया. वहीं 23 फरवरी को तृप्ति अपना बर्थडे सेलिब्रेट करती हैं। एनिमल के बाद एक्ट्रेस की पॉपुलैरिटी में जबरदस्त तरीके से इजाफा देखने को मिला. फिल्म में उनके अभिनय की तारीफ हुई. अब भले ही वह एक बेहतरीन अभिनेत्री मानी जाती हों, लेकिन आपको ये बात जानकर हैरानी होगी कि उन्हें कभी भी एक्टिंग में दिलचस्पी थी ही नहीं. तृप्ति एक टेनिस प्लेयर बनना चाहती थीं. इस बात का खुलासा खुद एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में किया था. उन्होंने कहा था कि एक समय पर वह टेनिस प्लेयर बनना चाहती लेकिन ऐसा मुमकिन नहीं हो पाया. वहीं जब एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में आने का फैसला किया था, तब उनकी फैमिली इसके खिलाफ थी. ऐसे में एक्ट्रेस ने अपना घर छोड़ कर अपना सपना पूरा करने के लिए मुंबई आ पहुंचीं. वहीं यहां आने के कुछ साल तक स्ट्रग्ल करने के बाद तृप्ति को फिल्मों में काम मिलना शुरू हो गया. वहीं साल 2017 में 'पोस्टर बॉयज' से अपना बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली तृप्ति डिमरी ने 'कला', 'बुलबुल' और 'लैला मजनू' में अपने बेहतरीन परफॉर्मेंस से वाहवाही लूट चुकी हैं।

बिजली मेंटेनेंस कर्मचारी पर फायर करने वाले हमलावरों का नहीं लगा सुराग

दो दर्जन से अधिक संदिग्धों से पूछताछ, मोबाइल की सीडीआर निकलवा रही पुलिस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नजीराबाद थाना क्षेत्र में बिजली बिल वसूली में लगे कर्मचारी को गोली मारने वाले नकाबपोश तीनों बदमाशों का अब तक कोई सुराग नहीं लग सका है। पुलिस आरोपियों तक पहुंचने के लिए अलग अलग प्रयास कर रही है। पुलिस अब तक दो दर्जन से अधिक संदिग्धों को थाने बुलाकर पूछताछ की कर चुकी है, लेकिन आरोपियों का सुराग नहीं लगा। पुलिस का कहना है कि कर्मचारी के मोबाइल की सीडीआर निकाली जा रही है। इसके अलावा पूर्व में जिनकी घर लाइन काटी गई उनकी भी जानकारी जुटाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि मजीदगढ़ निवासी 36 वर्षीय अशोक साहू बिजली मेंटेनेंस का काम करने वाली निजी कंपनी का कर्मचारी है। वह बिजली सुधार के साथ बिजली बिल की भी वसूली करता है। बुधवार दोपहर करीब 1 बजे वह मंगलगढ़ गांव में बिजली वसूली कर बाइक से वापस लौट रहा था। रास्ते में वह बाइक रोककर टॉयलेट करने लगा। इसी बीच बाइक से तीन नकाबपोश पहुंचे। उन्होंने उसकी तरफ पिस्टल से फायर कर दिया। गोली उसके पैर की जांघ में लगी। गोली आरपार हो गई। उसने तुरंत ही अपने परिचितों को फोन कर बुलाया। परिचित उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। बाद में उसे नजीराबाद से भोपाल ग्रीन सिटी अस्पताल रेफर कर दिया गया।

चलती बाइक से किया था फायर

अशोक ने पुलिस को बताया कि नकाबपोशों ने फायर करने के लिए अपनी गाड़ी नहीं रोकी। वह चलती बाइक से फायर किया था। बाइक में सबसे पीछे बैठे नकाबपोश को वह फायर करते हुए देखा है। अशोक ने पुलिस को बताया कि नकाबपोश हत्या की साजिश के तहत हमला किया है। चलती बाइक से फायर होने की वजह से उनका निशाना चूक गया इसलिए उसकी जान बच गई थी।

इलाके में नजर आने पर निगरानी बदमाश पर चाकू से जानलेवा हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

वर्चस्व और क्षेत्र में घूमते मिलने से हुआ विवाद, हमीदिया में चल रहा इलाज

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित प्रभात पेट्रोल पंप पर बीती रात बजरिया इलाके के निगरानी बदमाश पर ऐशबाग के दो बदमाशों ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। चाकू उसके गाल और गर्दन में लगा है। उसकी हालात नाजुक होने के कारण उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस जानलेवा हमले की वजह वर्चस्व का विवाद और इलाके में आने की बात सामने आई है। दरअसल, जानलेवा हमला करने वाले दोनों बदमाश ऐशबाग के निगरानी हैं। पुलिस के अनुसार 28 साल का कल्लू भन्नाट, शंकराचार्य नगर, स्टेशन बजरिया में रहता है और बजरिया थाने का निगरानी बदमाश है। उसपर मारपीट अड़ीबाजी समेत अन्य दर्जनभर अपराध पंजीबद्ध है। अभी दो दिन पहले ही वह मारपीट और चाकूबाजी के अपराध में जेल में जमानत पर छूटकर आया है। कल्लू ने पुलिस को बताया कि गुरुवार रात करीब सवा आठ बजे के पास वह प्रभात पेट्रोल पंप के पास खड़ा था, तभी वहां ऐशबाग निवासी आमीर उर्फ मुर्गा और समीर कंची पहुंच गया। दोनों ने कल्लू से गालीगलौज करनी शुरू कर दी। कल्लू ने गालीगलौज करने से मना किया तो आरोपियों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू उसके दाहिने गाल पर और गर्दन के पास लगने से उसकी हालत नाजुक है। उसका हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के ऐशबाग स्थित ठिकाने पर देर रात दबिश दी गई थी, लेकिन दोनों ही आरोपी घर से फरार थे।

दुकान से घर पहुंच रहे युवक पर चाकू से किया हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित दस नंबर मार्केट के पास मुख्य सड़क पर बीती रात तीन बदमाशों ने एक युवक को रोक लिया और उससे बेवजह पूछताछ करने लगे। युवक ने उनका विरोध किया तो एक बदमाश ने चाकू से हमला कर दिया। चाकू का हमला हाथ से रोकने के कारण युवक का दाहिना हाथ बुरी तरह से कट गया। चाकू से हमला करने के बाद बदमाश उसे धमकाते हुए वहां से भाग निकले। पुलिस ने घायल की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ चाकू से हमला करने का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार निहाल बाथम पिता प्रेमशंकर बाथम (26) मकान नंबर-90, जनता कॉलोनी, हबीबगंज में रहता है और सागर गैरे में साफ सफाई का काम करता है। निहाल ने पुलिस को बताया कि दुकान बंद करने के बाद वह घर लौट रहा था। 11 बजे के आसपास दुकान से निकलकर वह 10 नंबर चौराहा तक पहुंचा था। इस दौरान तीन युवक ने निहाल को रोककर पूछताछ करनी शुरू कर दी। निहाल ने उनका विरोध किया तो आरोपी गालीगलौज कर रहे थे। गुस्से में निहाल ने एक आरोपी को धक्का दे दिया। इससे नाराज उसके साथी ने निहाल पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू का हमला निहाल ने दाहिने हाथ से रोक लिया था। निहाल का कहना है कि आरोपी ने हमला उसकी गर्दन पर किया था। यदि वह हाथ से हमला नहीं रोकता तो उसकी जान जा सकती थी। हमला करने के बाद आरोपी उसे धमकी देते हुए भाग निकले। वह सीधे थाने पहुंचा और पुलिस को घटना की शिकायत की। पुलिस ने तत्काल जेपी अस्पताल पहुंचाया और उसका मेडिकल कराया। फिलहाल निहाल नर्मदा अस्पताल में भर्ती है। निहाल ने बताया कि विवाद के समय आरोपी एक दूसरे का नाम ले रहे थे। इस आधार पर पुलिस ने अंशुल, मनीष और संजय के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है।

टीनशेड कलारी के पास विवाद, मैकेनिक पर चाकू से हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित टीनशेड कलारी के पास गुरुवार दोपहर पुरानी रंजिश में हुए विवाद पर दो भाइयों ने मैकेनिक पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू मैकेनिक के दाहिने पैर में जांघ के पास और कमर में लगा है। पुलिस ने मैकेनिक की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। दोनों सगे भाई हैं और उनकी तलाश की जा रही है। एसआई मूलचंद मीणा ने बताया कि 36 साल का अजय वर्मा, कोटरा सुलतानाबाद कमला नगर में रहता है और वैशाली नगर में दुकान पर मैकेनिक का काम करता है। उसने पुलिस को बताया कि नीलबड़ निवासी नितेश से उसकी पुरानी रंजिश है। अजय टीनशेड स्थित कंपोजिट शराब की दुकान पर पहुंचा था, तभी उसे नितेश और उसका भाई मिल गया। आरोपी पुरानी बात को लेकर विवाद करने लगे और अजय से गालीगलौज करने लगे। इसी बीच नितेश ने चाकू से अजय पर हमला कर दिया। हमला सीने पर किया गया था, लेकिन अजय ने अपना बचाव किया और चाकू उसके दाहिने पैर की जांघ और कमर के पास लगा है। घटना के बाद अजय ने अपने परिचित को मोबाइल पर घटना की जानकारी दी और उसे वह उसे लेकर अस्पताल पहुंचे थे। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

देहात के ईंटखेड़ी थाना पुलिस की कार्रवाई, वाहन चोरी के कई अन्य मामलों का खुलासा होने की उम्मीद

वाहन चोर गिरोह से बुलेट बाइक समेत 5 लाख के पांच दोपहिया वाहन बरामद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

देहात के ईंटखेड़ी थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए वाहन चोर गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से बुलेट बाइक समेत पांच लाख रुपये कीमत के कुल पांच दोपहिया वाहन बरामद हुए है। आरोपियों ने उक्त वाहन भोपाल के अलावा विदिशा और सीहोर जिले से चोरी किए थे। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। गिरोह से वाहन चोरी के कई अन्य मामलों का खुलासा होने की उम्मीद है।

थाना प्रभारी दुर्जन सिंह बरकड़े ने बताया कि रात के समय पुलिस की एक टीम इलाका भ्रमण कर निकली थीं'। इस दौरान गोलखेड़ी तिराहे पर एक युवक बाइक के साथ दिखाई दिया। संदेह होने पर पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया तो वह भागने लगा, जिसे स्टाफ ने घेराबंदी कर दबोच लिया। पूछताछ के दौरान युवक ने अपना नाम जैकी उर्फ जगदीश आदिवासी (30) निवासी एकता नगर थाना सूखी सेवनिया बताया। पुलिस ने जब उसके पास मौजूद बाइक के कागजात मांगे तो वह नहीं दिखा पाया। थाना लेकर पूछताछ करने पर उक्त बाइक कुछ दिन पहले विदिशा से चोरी करना बताया। आगे पूछताछ करने पर कुछ वाहन भोला उर्फ देवेंद्र चौहान (33) निवासी कोतवाली जिला देवास को बेचने के लिए देना बताया। पुलिस ने जैकी की निशानदेही पर भोला को हिरासत में लिया तो उसने अपने एक अन्य साथी सतीश शंकवार (30) निवासी अब्बास नगर थाना गांधी नगर भोपाल के साथ वाहन चोरी करना और उन्हें बेचने की बात स्वीकार की। इसके बाद पुलिस ने सतीश को भी हिरासत में ले लिया। तीनों आरोपियों के पास से चोरी की एक बुलेट बाइक समेत कुल पांच दोपहिया वाहन जब्त किए गए हैं।

आरोपियों के गिरफ्तार करने में टीआई दुर्जन सिंह के साथ ही एसआई विजय भाजी, एएसआई रामस्नेही राजपूत, राजकुमार उइके, हेड कांस्टेबल सतीश जाट, राजेन्द्र सोलंकी, सुन्दरलाल, गिरीश राठौर, आरक्षक रूपेन्द्र देशमुख, विष्णु तोमर, लोकेश, प्रशान्त तोमर, जितेन्द्र गिरी, प्रदीप शर्मा और धर्मेन्द्र राजपूत की सराहनीय भूमिका रही।

मुख्य आरोपी पहले से दर्ज हैं कई अपराध

पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी जैकी उर्फ जगदीश के खिलाफ चोरी, नकबजनी, एनडीपीएस समेत अन्य धाराओं के तहत करीब 28 अपराध पहले से दर्ज हैं। बाकी दोनों आरोपियों का आपराधिक रिकार्ड निकाला जा रहा है। पुलिस का कहना है कि गिरोह से वाहन चोरी की कई अन्य वारदातों का खुलासा होने की उम्मीद है।

नशे की हालत में डीपी के संपर्क में आए अधेड़ व्यक्ति की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अशोका गार्डन इलाके में बिजली की डीपी के संपर्क में आए अधेड़ व्यक्ति की करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। पुलिस के मुताबिक रघुवीर सिंह ठाकुर (55) दुर्गा नगर करोंद थाना निशातपुरा में रहता था। वह बाहर से आने वाले ट्रक ड्राइवरों को रास्ता बताने का काम किया करता था। बीती 17 फरवरी को एक ट्रक चालक को लेकर वह औद्योगिक क्षेत्र अशोका गार्डन आया था। यहां अप्सरा टाकीज के पास उसने चालक के साथ बैठकर शराब पी थी। नशे की हालत में पैसों को लेकर चालक के साथ उसका विवाद हो गया तो वह पास में लगी बिजली की डीपी पर चढ़ गया, जिससे उसे करंट लग गया था। सूचना के बाद मौके पर पहुंची एम्बुलेंस ने रघुवीर को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां गुरुवार दोपहर उसने दम तोड़ दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

टीबी की बीमारी से परेशान युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी में आए दिन आत्महत्या के मामले बढ़ रहे हैं। कोई निराश होकर तो कोई बीमारी से तंग आकर खुदकुशी कर रहा है। बैरागढ़ में रहने वाले एक युवक ने अपने कमरे में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उसके पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। हालांकि प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि युवक टीबी की बीमारी से परेशान चल रहा था। अनुमान है कि उसने इसी कारण से यह कदम उठाया होगा। पुलिस के मुताबिक जितेंद्र उर्फ जीतू (30) केटरिंग का काम करता था। टीबी की बीमारी होने के कारण वह कुम्हार मोहल्ला बैरागढ़ में परिवार से अलग किराए का कमरा लेकर अकेला रहता था। गुरुवार दोपहर को उसका भाई खाना देने के लिए कमरे में पहुंचा तो जितेंद्र फांसी के फंदे पर लटका मिला। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी। मामले की जांच की जा रही है।

फर्जी जमानतदार के खिलाफ धोखाधड़ी का केस किया दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमपी नगर पुलिस ने एक फर्जी जमानतदार के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक फरियादी कपिल श्रीवास जिला अदालत में रीडर है। उन्होंने इस मामले की शिकायत की थी। शिकायत में बताया गया कि वर्ष 2020 में अशोका गार्डन थाने में हत्या के प्रयास का एक मामला दर्ज किया गया था। यह मामला जब न्यायालय पहुंचा तो जून 2021 आरोपी की जमानत के लिए कागजात पेश किए गए। जमीन संबंधी यह कागजात किसी अजीम नामक व्यक्ति के नाम से थे। न्यायालय ने जब कागजातों की जांच कराई तो पता चला कि अजीम नामक व्यक्ति का उन कागजातों से कोई वास्ता नहीं है। पुलिस ने रीडर की शिकायत पर अज्ञात फर्जी जमानतदार के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।

मजदूरों के बकाया वसूली के नाम पर ठेकेदार से की मारपीट

भोपाल, दोपहर मेट्रो। चूनाभट्टी इलाके में निजी बिल्डर से उसके मजदूरों की बकाया राशि भुगतान करने के नाम पर बदमाशों ने मारपीट और पैसे छीनने का प्रयास किया। निजी बिल्डर की शिकायत पर थाने में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी फरार हैं। पुलिस के अनुसार बिल्डर नितिन अग्रवाल माउंट न्यू विला चूनाभट्टी में रहते हैं। वह स्वदेश बिल्डर्स के नाम से अपनी फर्म चलाते हैं। ऐशबाग निवासी आसिफ खान को वे पिछले कई सालों से जानते हैं। आसिफ लेबर ठेकेदार है। बिल्डर के कई प्रोजेक्ट में आसिफ ने मजदूर उपलब्ध भी कराए हैं। बिल्डर ने बताया कि आसिफ उन पर 4 लाख रुपए की वसूली का दबाव बना रहा है। वह मजदूरों के भुगतान के नाम पर रुपये मांग रहा है जबकि वह पहले ही भुगतान अपनी ओर से कर चुके हैं। बिल्डर का आरोप है कि पांच दिन पहले उसने रास्ता रोक अड़ीबाजी की।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-4917524, 2972022